श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 239 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, गुरूवार 16 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

अग्निपथ स्कीम के खिलाफ देश के कई राज्यों में बवाल, ट्रेन में लगाई आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना भर्ती को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाई गई अग्निपथ योजना को लेकर देश के कई राज्यों में विरोध तेज हो गया है। दिल्ली, यूपी, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, और उत्तराखंड में युवा प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए हैं। विरोध का सबसे ज्यादा असर बिहार में देखा जा रहा है। कई जगह युवा रेलवे ट्रैक पर भी उतरे हैं और ट्रेनों की आवाजाही को रोक दिया है। बिहार के कई स्टेशनों पर ट्रेन पर पथराव किया गया है। सेना में भर्ती के लिए सरकार की ओर से घोषित की गई अग्निपथ स्कीम का तीव्र विरोध देश के राज्यों में शुरू हो गया है। मंगलवार को इस स्कीम का ऐलान किया गया था और बुधवार सुबह ही बिहार के कई जिलों में छात्रों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। यही नहीं गुरुवार को एक बार फिर से मुंगेर, कैमूर, सहरसा, छपरा समेत कई जिलों में छात्र विरोध के लिए उतरे हैं।

कैमूर में छात्रों ने इंटरसिटी एक्सप्रेस को आग के हवाले कर दिया तो कई जगहों पर सड़क जाम कर टायरों में आग लगाकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली-जयपुर हाईवे को भी छात्रों ने राजस्थान में जाम कर दिया है। यूपी के बरेली में सेना की तैयारी कर रहे युवाओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। बिहार से शुरू इस आंदोलन की आग देश के अलग-अलग राज्यों में फैल रही है।

बिजली गिरने से दो की मौत, मरने वालों में एक पांच साल की बच्ची भी शामिल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में बुधवार को बिजली गिरने से पांच साल की बच्ची समेत दो नाबालिगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने दी। जनकपुर थाना प्रभारी दीपेश सैनी ने बताया कि घटना दोपहर करीब तीन बजे कुंवरपुर पुलिस चौकी सीमा के जैती गांव में हुई। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान एक उकेश रैदास (10) और लड़की मुस्कान वर्मा (5) के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बारिश के दौरान इनके घर पर बिजली गिर गई और दोनों की मौत हो गई।

11 हजार से अधिक बच्चों तक पहुंचेगा शिक्षा का उजियारा

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में 260 बंद स्कूलों में फिर बजी घंटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के विकास, विश्वास और सुरक्षा के मूलमंत्र के चलते बस्तर अंचल के वातावरण में तेजी से सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। नक्सल प्रभावित चार जिलों में समुदाय की आकांक्षा के अनुरूप राज्य शासन द्वारा 260 स्कूलों को पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। जिला बीजापुर में 158, सुकमा में 97, नारायणपुर में 4 और दंतेवाड़ा में एक स्कूल को फिर से खोला जा रहा है। इन स्कूलों से 11 हजार 13 विद्यार्थियों को शिक्षा सुलभ होगी। राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर 16 जून को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इन स्कूलों को फिर से खोले जाने की घोषणा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि लगभग 15 वर्ष पूर्व नक्सल इलाकों में 400 से अधिक स्कूलों को विभिन्न कारणों से बंद कर दिया गया था। भीतरी इलाकों में रहने वाले परिवारों को सलवा जुडूम के चलते कैम्प में रहने की सुविधा देकर सुरक्षित स्थानों में रखने का प्रयास किया गया। धीरे-धीरे ये परिवार कैम्पों से वापस अपने गांव लौटने लगे। इनके बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था स्कूलों के नष्ट हो जाने की वजह से नहीं हो पा रही थी। कुछ सुरक्षित इलाकों में शासन द्वारा पोटा केबिन खोलकर ऐसे इलाकों के बच्चों को शांत स्थलों में सड़क किनारे आवासीय सुविधा देकर पढ़ाने में सहयोग दिया गया। धीरे-धीरे स्थिति के सामान्य होने पर स्थानीय स्तर पर समुदाय द्वारा उनके गांवों में स्कूलों को पुनः संचालित करने की मांग सामने आने लगी। ऐसे स्थिति में जिन इलाकों में समुदाय से मांग आने लगी और बहुत से स्कूलों से बाह्य बच्चों की उपलब्धता मिली, वहां समुदाय के सहयोग से स्थानीय स्तर पर कच्चे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री से स्कूल भवन निर्मित किए गए या उपलब्ध कराए गए। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय खनिज मद से स्थानीय युवाओं को शिक्षादूत के रूप में बच्चों को सीखने में सहयोग देने की जिम्मेदारी दी गई। इस तरह से स्कूलों को ऐसे इलाकों में प्रारंभ करने का प्रयास किए गए।

वर्तमान में शासन द्वारा इस दिशा में संवेदनशीलता दिखाते हुए 16 जून को पूरे प्रदेश में स्कूल खुल रहे हैं और बच्चों को दर्ज करने एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम में नक्सल प्रभावित इन चार जिलों-नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा में 260 बंद पड़े स्कूलों को पुनः प्रारंभ करने का फैसला लिया है। जिसे विषम परिस्थितियों में भी इन क्षेत्रों में बच्चों का सीखना जारी रखने में सहयोग कर रहे शिक्षादूतों की सेवाएं आगे जारी रखी जाएंगी।

इन 260 स्कूलों में सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे - बच्चों को दर्ज करना, पोटा केबिन या कहीं और पढ़ रहे बच्चों को अपने परिवार के साथ रहकर करने इन स्कूलों में प्रवेश दिलवाना, इन स्कूलों में शिक्षादूतों के साथ-साथ शिक्षकों की व्यवस्था, सीखने-सीखाने के लिए सभी अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करते हुए बच्चों को गुणवत्ता परक शिक्षा देने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

राहुल के साहस को सलाम..वह कमजोर कैसे हो सकता है?

कमलज्योति

राहुल बोल नहीं पाता, सुन नहीं पाता..कमजोर है। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं...कुछ इस तरह के चर्चाओं के बीच जिंदगी और मौत के बीच बोरवेल में 105 घण्टे से फंसे राहुल ने आखिरकार मौत को हरा दिया। उन्हें नई जिंदगी देने में शासन-प्रशासन सहित एनडीआरएफऔर एसडीआरएफकी टीम ने पूरी ताकत झोंक दी थी, लाखों लोगों ने दुआएं की। लेकिन यह भी सत्य है कि जिस विषम परिस्थितियों में राहुल ने खुद को सम्हाला और रेस्क्यू सफल होने तक धैर्य बनाए रखा, यह उनके साहस का ही परिणाम है कि अब सबके साथ सफलता की छाप छप गई है। वरना नाकामी का कलंक, कोशिशों में कमी, हर जगह शासन-प्रशासन को ही नही, दिन-रात संघर्ष करने वालों को भी चिढ़ाती। 10 जून को बोरवेल में गिरने के बाद शुरू हुआ ''ऑपरेशन राहुल-हम होंगे कामयाब'' बड़ी ही मुश्किल से जीवन और मौत के सवालों के बीच लगभग 105 घण्टे बाद राहुल की वापसी के साथ ही सफल हुआ। खुशी है कि इस अभियान से मैं जुड़ा और यहां राहुल को बचाने के लिए की जा रही मिनट दर मिनट संघर्ष को देखा।

चूंकि यह मामला एक ऐसे विशेष बच्चे की थी। जो न तो बोल सकता था। न ही सुन सकता था। यह घटना सबके संवेदनशीलता का भी था। ऐसे में भला राज्य के मुखिया को भी नींद कैसे आती ? वे ग्राम पिहरीद की घटना की हर जानकारी से जुड़ते चले गए और पल-पल का अपडेट लेने के साथ दो बार राहुल की माता-पिता, फूफा और दादी से सीधे वीडियों कॉल कर उनका मनोबल बढ़ाया, और कहा कि आप सभी धैर्य रखिए। राहुल सकुशल वापस आएगा। मुख्यमंत्री जी का यह ढांढस राहुल के माता-पिता और परिजनों के लिए एक नई उम्मीद बनी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बचाव के लिए दिए जा रहे निर्देशों को भी कलेक्टर से परखते रहें और उनकी सतत निगरानी भी थी, जिसने जिला प्रशासन को बहुत एक्टिव रखने का काम किया।

देश में अब तक के सबसे बड़े रेस्क्यू अभियान की इस सफलता के पीछे एक तरफ बोरवेल में फंसे राहुल को बाहर निकालने का संघर्ष जुड़ा है तो दूसरी ओर राहुल का वह संघर्ष भी है, जिसने दुनियां में आते ही न जाने किन-किन लोगों से क्या-क्या न सुना होगा। कब किसी के ताने और मजाक का पात्र नहीं बना होगा।

मैंने जब राहुल के संबंध में गांव के कुछ लोगों से बात की तो यह जानकर अच्छा नहीं लगा कि राहुल के लिए कुछ अपनों का ही व्यवहार वैसा नहीं था, जो होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने ऐसे बालक के लिए जो अपनापन दिखाया है और राहुल के बोरवेल में फंसने से लेकर, अस्पताल तक पहुचाने और सम्पूर्ण खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है, वह उन लोगों के लिए भी किसी तमाचे या अपने किये पर आत्मग्लानि से भी कम नहीं, जो राहुल को कमजोर या कुछ और समझते हैं। सबने देखा कि जरा सी चूक मासूम राहुल की जिंदगी के लिए कैसे भारी पड़ गई। उसे ऊपर से ही बाहर निकालने के लिए तमाम कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब तक कई रेस्क्यू कर चुके एक्सपर्ट के लिए भी राहुल चुनौती बन गया। अंततः यह तरकीब सफल नहीं हुई तो बन्द बोरवेल तक 65 फीट खुदाई कर राहुल को बाहर निकालने की भारी मशक्कत की गई। लगभग 60 फीट की गहराई से राहुल को सुरक्षित निकाल पाना इसलिए भी चुनौती बन गई थी कि सुरंग बनाने की राह में एक के बाद एक मजबूत चट्टान थे और आसानी से कट नहीं रहे थे। वहीं दूसरी ओर राहुल भेजी गई रस्सी को पकड़ कर ऊपर आने की कोई कोशिश ही नहीं करता था।

जांजगीर-चाम्पा जिले के मालखरौदा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पिहरीद में घटी यह घटना हर दिन समय गुजरने के बाद हर जगह सुर्खियां बनती जा रही थी। लोग घण्टे गिन रहे थे और अनुमान लगाकर सबकुछ किस्मत पर छोड़ते जा रहे थे। बोरवेल में उसकी तस्वीर चर्चा का विषय बनती रही। प्रशासन मुस्तैद होकर मौके पर मौजूद था। सभी को सुरंग के बनने और किसी तरह राहुल तक पहुचने का इंतजार था।

लगभग 105 घंटे से अधिक समय से बोरवेल में फंसे राहुल साहू के लिए जिला प्रशासन का हर अधिकारी कर्मचारी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना के जवान, एसईसीएल, बीएसपी, बालको, नगर सेना, पुलिस, फायरब्रिगेड सहित अन्य विभागों के अफसर रेस्क्यू में लगे रहे। रोबोट का भी सहारा लिया गया। लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बोरवेल के बाहर जिला प्रशासन और एनडीआरएफ ने पल-पल कैमरे से राहुल की गतिविधियां ध्यान में रखा। एनडीआरएफके जवानों ने राहुल को आवाज लगा-लगाकर जैसे कुछ होने नहीं दिया। उन्हें केला, सेब और जूस भी दिया जाता रहा। गाँव से लेकर प्रदेश के और देश के हर जानने वाले लोग राहुल के सकुशल वापसी के लिए दुआएं भी करते रहे। अभियान जितना देर चलता रहा, सबकों एक डर यह भी सताते रहा कि इतना देर तक एक मासूम कैसे अपने आपकों बचा कर रख सकता है ? लेकिन देश में अब तक के सबसे लंबे समय तक चले इस ''आपरेशन राहुल-हम होंगे कामयाब'' 105 घण्टे बाद भी कामयाब हो गया। बेशक यह शासन-प्रशासन सहित रेस्क्यू टीम की सूझबूझ थी कि उन्होंने राहुल के राह में बाधा बनी चट्टानों को काट-काट कर बाहर निकाला और उस तक पहुंचने का रास्ता तैयार कर लिया। दूसरी ओर यह भी तो सत्य ही है कि आखिरकार मानसिक रूप से कमजोर समझा जा रहा राहुल जीवन की जद्दोजहद में कहीं भी कमजोर नहीं हुआ। इतने घण्टे सँकरे और अंधेरेनुमा स्थान में 60 फीट नीचे फंसे रहने के बाद भी अपना साहस और धैर्य बचाकर रखा। यह अलग बात है कि मशीनें जो खुदाई में लगी थीं वह चट्टानी पत्थर को तोड़ते-तोड़ते, लगातार काम करते गरम हो जा रही थी। रेस्क्यू में लगे कुछ लोग थक जा रहे थे, मगर राहुल न थका, न हारा। वह तो अपने साहस और हिम्मत से जिंदगी का जंग जीत गया। अब राहुल की जिंदगी में एक नया सबेरा तो हुआ ही, उन्हें कमजोर समझने वालों को राहुल ने जिंदगी की जंग जीतकर बता दिया कि वह कमजोर नहीं है, वह तो हादसे का शिकार हुआ था और जब विपरीत परिस्थितियां आई तो वह अपनी साहस की बदौलत हारा नहीं। शायद राहुल की यहीं जिजीविषा और संघर्ष अब उन लोगों में राहुल जैसे लोगों के प्रति फैलाएं गए भ्रम, बनाई गई धारणा को बदलने का काम करें, जो राहुल को कुछ भी बोलकर कम आंकते थे। समाज ऐसे राहुल को जब भी अपनाएं, लेकिन ग्राम पिहरीद में राहुल का अब नया अवतार हो गया है और यह पूरे देश ने देखा है। उम्मीद है कि राहुल जैसों के प्रति आप भी अपनी धारणा मन से हटायेंगे और संघर्षों में साहस दिखाने वाले राहुल जैसों को सलाम करेंगे। राहुल के ऐसे जज्बे और साहस को सलाम है...

देश में कोरोना मामलों में उछाल, 24 घंटे में मिले 12 हजार नए संक्रमित, 11 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक बार फिर कोरोना के मामलों में तेज उछाल आया है। गुरुवार को बीते 24 घंटे में 12,213 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें कल की तुलना में करीब 4 हजार की बढ़ोतरी आई है। ये बीते तीन माहों में एक दिन के सर्वाधिक नए मामले हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार 24 घंटे में 11 लोगों की महामारी से मौत हुई। वहीं सक्रिय केस बढ़कर 58,215 हो गए हैं। देश में दैनिक संक्रमण दर बढ़कर 2.35 हो गई है, जबकि कई राज्यों में यह 5 फीसदी से भी ज्यादा है। बीते 24 घंटे में सक्रिय केसों में 4578 की बढ़ोतरी हुई है।

पांच राज्यों में सबसे ज्यादा नए मरीज

देश के पांच राज्यों में सबसे ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। महाराष्ट्र में 4,024,

केरल में 3,488, दिल्ली में 1,375, कर्नाटक में 648 और हरियाणा में 596 नए मामले मिले हैं। ये देश में कुल नए मामलों के 82.96 फीसदी हैं। नए संक्रमितों में 32.95 फीसदी अकेले महाराष्ट्र से हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार रोज 8 हजार से ज्यादा केस आए थे। सिर्फमंगलवार को कमी आई थी और इस दिन 6594 नए संक्रमित मिले थे। इसके पहले सोमवार को 8,084, 10 जून को 8,328 नए मामले और 11 जून को 8,582 केस आए थे।

मानसून की गति पड़ी धीमी, झमाझम बारिश के लिए अभी करना होगा थोड़ा और इंतजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गर्मी ने हलाकान कर रखा है। प्रदेश के लोग मानसून की बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 15 जून की शाम तक मानसून के बस्तर पहुंचने का अनुमान था। अब तय समय से 2 दिन विलंब से छत्तीसगढ़ में मानसून के प्रवेश करने की संभावना है। छत्तीसगढ़ की तरफ बढ़ने वाले मानसूनी बादल अभी आंध्र व तेलंगाना के दक्षिणी भाग में सक्रिय हैं। कमजोर सिस्टम की वजह से बादल आगे नहीं बढ़ रहे हैं। तेलंगाना, कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में अच्छी बारिश हो रही है। मानसून बस्तर प्रवेश करने के 3 दिनों बाद राजधानी रायपुर तक पहुंचता है और सप्ताहभर में पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाता है।

बता दें केरल तट पर इस बार मानसून समय से 3 दिन पहले पहुंचा था। इससे अनुमान लगाया जा रहा था कि 15 जून शाम तक मानसून छत्तीसगढ़ प्रवेश कर

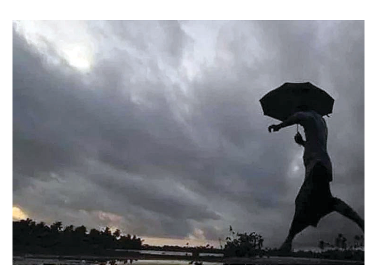

जाएगा, लेकिन मानसून के छत्तीसगढ़ पहुंचने में अभी 2 दिनों का और वक्त लग सकता है। महाराष्ट्र व कर्नाटक से होकर मानसून आंध्र व तेलंगाना तक पहुंच गया है। मौसम केंद्र का अनुमान है कि मानसून पहले मध्य प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में पहुंचेगा, क्योंकि उसका रुख बदल गया है। छत्तीसगढ़ के पश्चिमी क्षेत्र में इसके प्रभाव से बारिश की संभावना है। वहीं छत्तीसगढ़ के दक्षिणी हिस्से यानी बस्तर संभाग में शुक्रवार को मानसून पहुंचने की संभावना है।

एक अलग सिस्टम बनने से हो रही बारिश

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से असम तक स्थित है। एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका दक्षिण बिहार से दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश तक स्थित है। इसके प्रभाव से 16 जून को प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात और अंधड़ भी चल सकती है। बारिश का सिलसिला प्रदेश में लगातार बने रहने की उम्मीद है। यह मानसूनी बारिश नहीं है। मानसून का एक अलग सिस्टम बना हुआ है, जिसके प्रभाव से बस्तर, रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, बलरामपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, महासमुंद, दुर्ग, कबीरधाम, बेमेतरा, राजनांदगांव, दुर्ग और बालोद जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई है।

निर्वस्त्र करने की आदिम इच्छा

दीपक रंजन दास

कहा तो यह जाता है कि नग्नता पश्चिम से आई पर देसी न्याय व्यवस्था को देखकर सहसा इसपर यकीन करना मुश्किल है। जरा-जरा सी बात पर लोगों को निर्वस्त्र कर गंव में घुमा दिया जाता है। वैसे कामुक मिथुन मूर्तियां हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा रही हैं। इनका अन्यत्र उदाहरण दुर्लभ है। आध्यात्म के चरम तक पहुंची भारतीय सभ्यता में इसके भी गूढ़ अर्थ होते होंगे पर हम यहां उन परम्पराओं की चर्चा कर रहे हैं जो अब तक जीवित हैं। कोंडागांव/फरसगांव इलाके में एक गांव है ङ्क उड़न्दाबेड़ा। यहां एक ब्याहता ने अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ बात करते देख लिया। उसने पूरा गांव इकट्ठा कर लिया। उन लोगों ने पहले दोनों को पकड़ कर खूब पीटा। इससे भी मन नहीं भरा तो उन्हें निर्वस्त्र कर पूरे गांव में घुमाया। वे हाथों से अपने गोपनीय अंगों को छिपाने लगे तो दोनों के हाथ डंडे से क्रूस की तरह बांध दिये गये। पूरा गांव तमाशबीन बना रहा। कुछ लोगों ने इसका वीडियो शूट कर लिया और उसे वायरल भी कर दिया। मामला पुलिस के पास पहुंचा तो ब्याहता के साथ ही ग्राम के सरपंच और पटेल सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह इस तरह की कोई पहली घटना नहीं है। महिलाओं के मामले में देसी दंड विधान कुछ विकृत सा है। मुंह काला करना, निर्वस्त्र कर गांव में घुमाना, सामूहिक बलात्कार करना, टोनही करार देकर नोचना खसोटना। ऐसी घटनाएं आखिर क्या दर्शाती हैं? आध्यात्म का तो पता नहीं पर कामुकता और परपीड़ा हममें से अधिकांश को आज भी आल्हादित करती है। हम प्रेमी युगलों को ऐसा सबक सिखाना चाहते हैं कि उसके बाद न वो जी सकें और न मर सकें। वैसे कुछ राज्यों में प्रेम की सजा बलात्कार और फांसी भी है।

संपादकीय

रोजगार सुधार

ताजा रोजगार योजना अग्निपथ के विरोध को समझना और शंकाओं को दूर करना न केवल जरूरी, बल्कि आगे की रोजगार योजनाओं के लिए भी अनुकरणीय होगा। युवाओं ने बिहार के मुजफ्फरपुर में प्रदर्शन किया है और बक्सर में पथराव व चक्का जाम किया है, तो कुछ अन्य राज्यों में भी विरोध की खबर है। इसे केवल सियासत के नजरिये से नहीं देखना चाहिए। आज रोजगार योजना या उसके विरोध को समग्रता में देखने की जरूरत है। अव्वल तो यह विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण भी हो सकता था, जिससे किसी को परेशानी नहीं होती। विरोध प्रदर्शन बिहार में ही क्यों पहले और ज्यादा हुए, यह बात भी गौर करने लायक है। क्या यह बिहार में ज्यादा बेरोजगारी का संकेत है? क्या इस संकेत पर सरकारें ज्यादा संवेदनशीलता के साथ गौर करेंगी? क्या देश के दूसरे इलाकों में भी बेरोजगारों को ऐसे ही संकेत देने के लिए सामने आना चाहिए? आज का भारत एक युवा-बहुल देश है और किसी भी सरकार की कुशलता इसी में है कि वह युवाओं को साथ लेकर चले।

> “ काम की गुणवत्ता, सेवा की विश्वसनीयता, रोजगार का आकर्षण, सेवा व उसके उपरांत मानवीय पक्ष का भी ध्यान रखना होगा, ताकि किसी भी काम करने वाले से उसका सौ प्रतिशत योगदान लिया जा सके। अतः शासन-प्रशासन को जन-भावनाओं के अनुरूप रोजगार सुधार के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

आज बिहार जैसे राज्य में रोजगार एक बहुत बड़ा प्रश्न है, जिसका माकूल जवाब देने में हम सिलसिलेवार पिछड़ते रहे हैं। जब मार्च महीने में देश में बेरोजगारी दर 7.60 प्रतिशत थी, तब बिहार में यह 14.4 प्रतिशत थी। मतलब बिहार में राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुने बेरोजगार हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, देश में अभी करीब तीन करोड़ बेरोजगार हैं, तो बिहार में अकेले 38 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी चाहिए। ऐसे में, जब रोजगार के इंतजार में बैठे युवाओं तक महज दस लाख नौकरियों की सूचना पहुंचती है, तो निराशा को समझना चाहिए। कुछ आंकड़े हैं, जो देश भर में बेरोजगार युवाओं की उम्मीदों को हवा देते रहते हैं। ज्यादातर सरकारी विभागों में पद खाली हैं, तो युवाओं को स्वाभाविक ही लग सकता है कि खाली पदों पर उनका हक है। समस्या यह है कि लगभग हर सरकार के समय खाली पद बेरोजगारों को चिढ़ाते रहते हैं। सरकार के आला सलाहकार नई नियुक्तियों या बड़े पैमाने पर रोजगार अभियान चलाने से हिचकते हैं, उन्हें लगता है कि सरकारी खजाना खाली हो जाएगा या ज्यादा कर्मचारी होंगे, तो विभाग का काम भी बढ़ जाएगा। आला अधिकारियों की चिंता या मजबूरी समझ में आती है, लेकिन खूब रोजगार देने का वादा करके सत्ता में आने वाले नेता भी बेरोजगारों को भुला देते हैं, तो आश्चर्य होता है। क्या बड़ी मात्रा में खाली पद इसीलिए रखे जाते हैं, ताकि वोट मांगते समय रोजगार के नाम पर युवाओं को बार-बार लुभाया जा सके? सेना की नई रोजगार योजना के बाद हुए प्रदर्शन संकेत हैं कि युवाओं को बेहतर रोजगार चाहिए। निजी क्षेत्र या असंगठित क्षेत्र की अनिश्चितता अपनी जगह है और हमेशा रहेगी, पर सरकारी नौकरियों के प्रति लोगों की एक धारणा है। सरकारी नौकरी अतुलनीय सुरक्षा बोध कराती रही है। लेकिन अब समय के साथ यह नौकरी भी तेवर-कलेवर बदल रही है, तो विरोध स्वाभाविक है। अंततः लोगों को विश्वास में लेकर चलना होगा, ताकि सरकार का दायित्व भी पूरा हो और लोगों की उम्मीदें भी। काम की गुणवत्ता, सेवा की विश्वसनीयता, रोजगार का आकर्षण, सेवा व उसके उपरांत मानवीय पक्ष का भी ध्यान रखना होगा, ताकि किसी भी काम करने वाले से उसका सौ प्रतिशत योगदान लिया जा सके। अतः शासन-प्रशासन को जन-भावनाओं के अनुरूप रोजगार सुधार के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

राजनीति सेवा नहीं, मेवा है

राज्यसभा के चुनावों में राज्यों के विधायक ही मतदाता होते हैं। आम चुनावों में मतदाताओं को अपनी तरफ फिसलाने के लिए सभी दल तरह-तरह की फिसलपट्टियां लगाते हैं लेकिन विधायकों के साथ उल्टा होता है। उनका अपना राजनीतिक दल उनको फिसलने से रोकने के लिए एक-से-एक अजीब तरीके अपनाता है। इस समय कांग्रेस, शिवसेना, भाजपा और पंवार-कांग्रेस ने अपने-अपने विधायकों का अपहरण कर लिया है और उन्हें दुल्हनों की तरह छिपाकर रख दिया है।

सभी पार्टियां अपने विधायकों से डरी रहती हैं। उन्हें डर लगा रहता है कि अगर उनके थोड़े-से विधायक भी विपक्ष के उम्मीदवार की तरफ खिसक गए तो उनका उम्मीदवार हार जाएगा। कई उम्मीदवार तो सिर्फ दो-चार वोटों के अंतर से ही हारते और जीतते हैं। विधायकों को फिसलाने के लिए नोटों के बंडल, मंत्रिपद का लालच, प्रतिद्वंदी पार्टी में ऊंचा पद आदि की चूसनियां लटका दी जाती हैं।

यदि राज्यसभा की सदस्यता का यह मतदान पूरी तरह दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत हो जाए तो ऐसे सांसदों के होश-हवास गुम कर देगा। पराए दल के उम्मीदवार को वोट देनेवाले सांसद की सदस्यता तो छिनेगी ही, उसकी बदनामी भी होगी। ऐसा कोई प्रावधान अभी तक नहीं बना है, इसीलिए सभी दल अपने विधायकों को अपने राज्यों के बाहर किसी होटल या रिसोर्ट में एकांतवास करवाते हैं। उन विधायकों के चारों तरफ कड़ी सुरक्षा रहती है। उनका इधर-उधर आना-जाना और बाहरी लोगों से मिलना-जुलना मना होता है। उनके मोबाइल फोन भी रखवा लिये जाते हैं। उनके खाने-पीने, खेलने-कूदने और मौज-मजे का पूरा इंतजाम रहता हैं। उन पर लाखों रु. रोज़ खर्च होता है। कोई इन पार्टियों से पूछे कि जितने दिन ये विधायक आपकी कैद में रहते हैं, ये विधायक होने के कौनसे कर्तव्य का निर्वाह करते हैं?

-वेद प्रताप वैदिक

> “ मुसलमानों का समूचा विमर्श आखिर मस्जिदों, इमामों, उलेमा की धुरी के ईद-गिर्द ही क्यों घूमता है? इस विमर्श की शुरुआत मुस्लिम वकीलों, पूर्व जजों, पूर्व अफसरों, प्रोफेसरों, डॉक्टरों, पत्रकारों, समाज विज्ञानियों, राजनीतिविदों के बीच से क्यों नहीं होती? वे हाशिये पर क्यों हैं? मस्जिदें इबादत की जगह हैं, वहां से प्रदर्शनों का एलान क्यों हो? मुसलमान अपने आपको जब तक इस धार्मिक जकड़ से आजाद नहीं कराएंगे, तब तक उनका भला नहीं हो सकता।

बेअदबी और बवाल से क्या हासिल

कमर वहीद नकवी, वरिष्ठ पत्रकार

कल फिर जुमा है। शासन सतर्क है और हमारे समाज की सफलता इसमें है कि जो पिछले जुमे हुआ, उसे दोहराया न जाए। बेशक, देश के मुसलमान उद्वेलित हैं। बुलडोजर चलने से लेकर पिछले आठ वर्षों में बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जो मुसलमानों को टीसता रहा है। हिंदुत्ववादी ताकतों और मीडिया के एक बहुत बड़े वर्ग के गठजोड़ से भारतीय मुसलमानों के विरुद्ध जो नफरती अभियान चल रहा है, वह भला किससे छिपा है? यह बात भी किससे छिपी है कि इस अभियान को बहुत-सी सरकारों की शह मिली हुई है? इस सबके बावजूद मुसलमान अब तक चुपचाप थे। लेकिन दो भाजपा प्रवक्ताओं की विवादास्पद टिप्पणियों पर इस्लामी दुनिया में हुई तीखी प्रतिक्रिया के बाद देश में कई जगह जुमे की नमाज के बाद मुसलमानों के प्रदर्शन ने अचानक हिंसक रूप ले लिया।

आखिर टिप्पणी विवाद के दो हफ्ते बाद मुसलमान अचानक क्यों भड़क गए? न केवल मुसलमान, बल्कि हिंदुओं का एक बहुत बड़ा वर्ग भी प्रवक्ताओं की टिप्पणियों की कड़ी निंदा कर रहा था। दोनों प्रवक्ताओं के खिलाफ भाजपा कार्रवाई भी कर चुकी थी। 9 जून को दिल्ली पुलिस ने नफरती बयानों के आरोप में दो एफआईआर दर्ज की। अगले दिन जुमा था और नमाज के बाद कई जगह पर प्रदर्शन हुए व हिंसा भड़की। क्या अरब जगत में हुई व्यापक प्रतिक्रिया के बाद यहां के मुसलमानों को लगा कि वे उतनी तीखी प्रतिक्रिया नहीं जता सके, जितनी उन्हें जतानी चाहिए थी?

कारण जो भी रहे हों, ये प्रदर्शन कई जगहों पर एक साथ अचानक क्यों हुए? किसके कहने पर हुए? नमाज के बाद ही क्यों हुए? इन प्रदर्शनों से क्या हासिल हुआ? क्या उनकी इस प्रतिक्रिया से गैर-मुस्लिम समाज में उनके मुद्दे पर समर्थन बढ़ गया? क्या यह सिर्फ उनकी हताशा का विस्फोट था? ये सवाल गहरे हैं और इन सवालों पर सोचने की जरूरत है। मेरी स्पष्ट राय है कि भारतीय मुसलमानों ने जिस तरह से अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराने की कोशिश की, वह उनकी राजनीतिक नासमझी का सुबूत है, क्योंकि इस हिंसा से उनका पक्ष कमजोर ही पड़ा है और टिप्पणी विवाद से उपजी बहस अब कहीं और मुड़ चुकी है। दूसरी बात यह कि क्षोभ और आक्रोश व्यक्त करने की कोई सीमा-रेखा है या नहीं? क्या 'सर तन से जुदा' जैसे फिक्रे उछाले जाने चाहिए? ऐसे नारों से हासिल तो कुछ भी नहीं होता, बल्कि सहानुभूति रखने वाले उदारवादी हिंदू तबके के लिए विचित्र स्थिति पैदा हो जाती है।

मुसलमान आज जिन हालात से घिरे हैं, उन्हें पैदा करने में उनका खुद का दोष कम नहीं है और इसकी एक ही बड़ी वजह है, वह यह कि मुसलमानों के पास राजनीतिक और व्यावहारिक सूझबूझ व दूरदर्शिता रखने वाला नेतृत्व नहीं है। उनका नेतृत्व उलेमा और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे धार्मिक संगठन करते हैं, जिनके पास जज्बाती जुमले उछालकर भावनाओं को भड़काने के अलावा और कोई कौशल है ही नहीं। न कभी उन्होंने विचार किया कि उनकी रणनीति के दूरगामी नतीजे क्या होंगे? क्योंकि न उन्हें राजनीति की समझ है, न समाज विज्ञान की और न इसकी कि भारत जैसे जटिल सामाजिक संरचना वाले सेकुलर देश में किसी समुदाय को अपने आपको किस तरह संचालित करना चाहिए। मुसलमानों में जो राजनीतिक नेतृत्व यदा-कदा सैयद शहाबुद्दीन या असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोगों के रूप में उभरा भी, उनकी राजनीति के मुहावरे भी धार्मिक शब्दावलियों से ही गढ़े जाते रहे। इसीलिए भारतीय मुस्लिम मानस अपने राजनीतिक-सामाजिक मुद्दों को धार्मिक स्पेक्ट्रम से बाहर कभी देख ही नहीं सका। इसलिए नेतृत्व धर्मगुरुओं के हाथों में हो या धार्मिक एजेंडे की राजनीति करने वालों के हाथों में, उनसे नए विचारों के साथ आगे बढ़ने की कल्पना ही नहीं की जा सकती। जरा सोचिए, उलेमा की चेतावनियों और धमकियों से अगर सर सैयद अहमद डर गए होते, तो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना ही न हुई होती। उलेमा सर सैयद का विरोध इसलिए कर रहे थे कि वे नहीं चाहते थे कि मुस्लिम नौजवान अंग्रेजी शिक्षा हासिल करें, पश्चिमी ज्ञान और दर्शन पढ़ें, क्योंकि ऐसी शिक्षा से वे धर्मच्युत हो जाएंगे। आज आप गौर करें कि क्या उलेमा की वह सोच सही थी? क्या मुस्लिम नौजवानों को आधुनिक शिक्षा नहीं हासिल करनी चाहिए?

आजादी के बाद तमाम मुद्दे ऐसे आए, जहां मुसलमानों के धार्मिक नेतृत्व की नासमझी और अव्यावहारिकता के चलते हिंदुत्ववादी ताकतों को हिंदुओं के बीच पैठ बनाने के लिए मजबूत तर्क मिलते रहे। शाह बानो मामले में मुसलमानों के भारी जज्बाती उबाल का नतीजा यह हुआ कि राजीव गांधी सरकार ने कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी कर दिया। इसका दीर्घकालिक फायदा हुआ राम जन्मभूमि आंदोलन को! इस मुद्दे पर हिंदू समाज में फैले जबरदस्त रोष से डरकर राजीव सरकार ने कुछ ही दिनों बाद राम जन्मभूमि का शिलान्यास करने दिया और हिंदुत्ववादी ताकतों को वह व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता मिल गई, जिसके लिए वे साठ-पैंसठ साल से प्रयासरत थे। बेशक हिंदुत्ववादी उभार के पीछे और राजनीतिक स्थितियां भी जिम्मेदार थीं, लेकिन शाह बानो प्रकरण ने उसे संजीवनी दी। पड़ोसी पाकिस्तान और बांग्लादेश तक में तीन तलाक को बरसों पहले गैर-कानूनी करार दिया जा चुका है। फिर यहां उलेमा क्यों उसका बचाव करते रहे? वे चाहते, तो खुद पहल कर एक बड़े सामाजिक सुधार का श्रेय ले सकते थे।

निष्कर्ष यह है कि मुसलमानों का भला जज्बाती जोशीले भाषणों और 'खून बहा देने' वाले नारों से नहीं होगा। ये सिर्फ वक्ती बुलबुले हैं, जो उठते हैं और हवा में फूट जाते हैं। मुसलमानों में नया सामाजिक-राजनीतिक विमर्श उभरना चाहिए। मुसलमानों का समूचा विमर्श आखिर मस्जिदों, इमामों, उलेमा की धुरी के ईद-गिर्द ही क्यों घूमता है? इस विमर्श की शुरुआत मुस्लिम वकीलों, पूर्व जजों, पूर्व अफसरों, प्रोफेसरों, डॉक्टरों, पत्रकारों, समाज विज्ञानियों, राजनीतिविदों के बीच से क्यों नहीं होती? वे हाशिये पर क्यों हैं? मस्जिदें इबादत की जगह हैं, वहां से प्रदर्शनों का एलान क्यों हो? मुसलमान अपने आपको जब तक इस धार्मिक जकड़ से आजाद नहीं कराएंगे, तब तक उनका भला नहीं हो सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैश्विक समस्या बनी महंगाई से मिलकर निपटना होगा

फ्रैंक एफइस्लाम, अमेरिकावासी उद्यमी

संयुक्त राज्य अमेरिका बेलगाम महंगाई से बुरी तरह कराह रहा है। मार्च, 2021 से अप्रैल, 2022 के बीच वहां की महंगाई दर 2.6 प्रतिशत से बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो चुकी थी। भारत, यूरोप और दुनिया के अन्य देशों में भी तस्वीर इससे अलग नहीं है। अमेरिका तो महंगाई के मामले में पिछले चार दशकों के सबसे बुरे दौर में है। यह स्थिति राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए घातक साबित हो रही है, जिनकी डेमोक्रेटिक पार्टी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स और संभवतः सीनेट में भी बहुमत गंवा सकती है। इस खतरे को भांपते हुए व्हाइट हाउस हालात को नियंत्रित करने में जुट गया है। वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने भी पिछले हफ्ते यह माना कि बढ़ती महंगाई को लेकर उनकी सोच गलत थी। पहले उन्होंने कहा था कि कीमतों का बढ़ना महामारी के बाद के सुधार-उपायों का 'साइड-इफेक्ट' है और यह जल्द ही काबू में आ जाएगा।

येलेन और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के लिए मुश्किल यह है कि वे बहुत कुछ नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए, क्योंकि खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी मुख्यतः उन वजहों से हो रही है, जिनको संभालना उनके हाथ में नहीं है। मसलन, यूक्रेन पर रूस का हमला और मास्को पर लगाए गए प्रतिबंध, चीन में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बाद आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावट, रूस से आपूर्ति कम होने के कारण गैस की कीमतों में वृद्धि और गरमियों में गैस की मांग में आती अप्रत्याशित तेजी। पिछले हफ्ते ओवल ऑफिस में पॉवेल और येलेन के साथ बैठक करने के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि उनकी सरकार महंगाई को थामने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

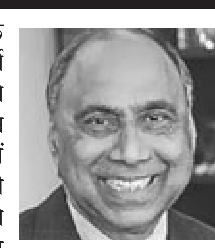

इसके लिए एक उपाय है - ब्याज दरों में बढ़ोतरी, जो संभवतः आने वाले महीनों में कई बार की जाएगी। महंगाई पर अंकुश लगाने का यह ऐसा जांचा-परखा रास्ता है, जिस पर हमारे नीति-निर्माता हमेशा चलना पसंद करते हैं। राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में बतौर वित्त मंत्री और राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के पहले निदेशक के रूप में अपनी सेवा दे चुके लॉरेंस समर्स जैसे अर्थशास्त्री भी ब्याज दरों को पर्याप्त रूप से बढ़ाने के हिमायती दिखते हैं। हालांकि, इसका एक नुकसान भी है। इससे मंदी आ सकती है। मगर समर्स और अन्य अर्थशास्त्रियों का मानना है कि तेज महंगाई और कम बेरोजगारी दर भी मंदी का कारण बन सकती हैं। फिलहाल, सरकार और फेडरल रिजर्व (यह व्हाइट हाउस से स्वतंत्र होता है) इसी बात पर एकमत दिख रहे हैं कि कीमतों को नीचे लाना और अर्थव्यवस्था को धीमा करना अभी सबसे जरूरी है।

एक अन्य प्रमुख कदम सऊदी अरब को अधिक से अधिक तेल उत्पादन के लिए मनाना है, ताकि गैस की कीमतों को स्थिर करने में मदद मिल सके। इसके लिए बाइडन रियाद जाने वाले हैं। जबकि डेमोक्रेट सऊदी नेता क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के मुखर आलोचक रहे हैं, जिनके बारे में कई लोगों की राय है कि वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार जमाल खशोगी की निर्मम हत्या के पीछे उन्हीं का हाथ था। बेशक, ब्याज दरों में वृद्धि और तेल उत्पादन में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव कम होगा, लेकिन ठीक-ठीक यह नहीं कहा जा सकता है कि मध्यावधि चुनावों पर ये असरंदाज हो सकेंगे। पुलित्जर पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री पॉल क्रुगमैन ने न्यूयॉर्क टाइम्स के अपने लेख में कहा है कि मतदाता आर्थिक सुस्ती या आपूर्ति में आई रुकावट से बढ़ी महंगाई के लिए डेमोक्रेट से खफा नहीं हैं, बल्कि वे गैसोलीन और खाद्य कीमतों को लेकर नाराज हैं, जिसके बारे में कोई निष्पक्ष विश्लेषक शायद ही बाइडन को दोष देगा।

जाहिर है, इन मध्यावधि चुनावों के नतीजे न सिर्फ अमेरिका के लिए, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए भी काफी महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने वैश्विक विकास के अपने अनुमान को चार फीसदी से घटाकर 3.1 प्रतिशत कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने भी इसी तरह अपने अनुमान घटा दिए हैं। अगर कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत मिलता है, तो बाइडन प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि महंगाई से लड़ने और वैश्विक विकास को बढ़ावा देने के लिए दुनिया के देशों को एक साथ लाने में अमेरिका नेतृत्व की भूमिका निभाएगा। अगर विधायी रूप से अमेरिका बंट जाता है, तो देश अलगाव की ओर भी जा सकता है। साफहै, बेलगाम महंगाई एक वैश्विक समस्या है, जिसका समाधान सभी देशों को मिलकर करना होगा। यह वही कर सकता है, जो पूरी दुनिया की परवाह करता हो, न कि सिर्फ अपनी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

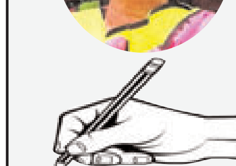

घुमड़-घुमड़कर
बादल बन यादें
तेरी आई, बिजली
चमकी इधर-उधर
सीना चीरकर दे
गई कसक।

-अंजली जैन
7024460938

कितना बदल गया इंसान

हरिशंकर व्यास

सबसे बड़ी बात इंसान का बदलना है। चाहे वह महामानव के भाषण सुन कर बदला या टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया में चल रहे प्रवचनों को सुन कर बदला या मीडिया की खबरों और वहां लगातार चलने वाले हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव से बदला या झूठे प्रचार से बदला लेकिन भारत का इंसान बदल गया है। उसके सरोकार बदल गए। उसकी प्राथमिकताएं बदल गईं। आठ-दस साल पहले जो इंसान हर बात पर अपना दिमाग लगाता था, अपने हित की चिंता करता था, अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करता था, महंगाई की चिंता में दुखी और निराश होता था, रोजगार के लिए जोर लगाता था, सरकारों को निकम्मी बता कर उनको बदलने के संकल्प करता था, भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन में शामिल होता था, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के नारे लगाता था, निर्भया कांड में सड़कों पर उतर कर इंडिया गेट घेर लेता था या राष्ट्रपति भवन के लौहद्वार को खड़काता था, आज वह इंसान कहां है? आज वह इंसान घरों में बैठ कर व्हाट्सएप और ट्विटर के प्रचार से या टेलीविजन चैनलों की झूठी और आधी-अधूरी खबरों से यह मुगालता बनाए बैठा है कि सारी समस्याएं समाप्त हो गईं। असल में उसकी कोई समस्या समाप्त नहीं हुई है। किसी की कोई समस्या समाप्त नहीं हुई है, बल्कि समस्याएं बदल दी गई हैं। लोगों को समझा दिया गया है कि गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार आदि कोई समस्या नहीं है। असली समस्या धर्म की है। उसे दूर कर लिया तो सारी समस्याएं खुद ब खुद छूमंतर हो जाएंगी। इसलिए हर जगह मस्जिदों में शिवलिंग तलाशे जा रहे हैं या मध्य काल में बनी हर इमारत या हर ढांचे को हिंदू मंदिर साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली सल्तनत और मुगल काम में बनी इमारतों में भजन कीर्तन की इजाजत मांगी जा रही है और इसके लिए अदालतों में याचिका लगाई जा रही है। देश के ज्यादातर स्कूलों और कॉलेज में क्षमता से दोगुने से ज्यादा छात्र हैं और क्षमता के आधे से कम शिक्षक हैं लेकिन यह समस्या नहीं है। समस्या यह है कि कोई छात्रा हिजाब पहन कर क्लास में नहीं आनी चाहिए। हिजाब के विवाद में एक राज्य में महीनों तक स्कूल-कॉलेज बंद रहे या पढ़ाई प्रभावित हुई। लेकिन किसी हिंदू माता-पिता ने यह सरोकार नहीं दिखाया कि क्यों हिजाब के नाम पर बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। कोरोना की वजह से दुनिया में कहीं भी उतने समय तक स्कूल-कॉलेज बंद नहीं रहे, जितने समय तक भारत में बंद रहे। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने कैंसर की दवा खोज ली और भारत के स्कूल-कॉलेजों में छात्र हिजाब के मसले पर आंदोलन कर रहे हैं। देश की सबसे नामी यूनिवर्सिटी में पिछले दिनों इस बात पर आंदोलन हुआ कि छात्रावास में मांसाहारी खाना बने या नहीं बने।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

गौरव पथ से पदुम नगर जाने वाली जर्जर सड़क का होगा कायाकल्प, चैतन्य बघेल ने महापौर संग किया भूमिपूजन

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई–3 । भिलाई – चरोदा नगर निगम के गौरव पथ से होकर पदुम नगर की ओर जाने वाली जर्जर सड़क का कायाकल्प होगा। इसके लिए आज मुख्यमंत्री के सुपुत्र चैतन्य बघेल ने भूमिपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के ओएसडी मनीष बंछोर व महापौर निर्मल कोसरे सहित उनके एमआईसी सदस्य और पार्षद विशेष रूप से उपस्थित थे। 96 लाख रुपए की लागत से इस सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण ऐश्वर्या गैस से पदुम नगर स्थित श्रीराम सिटी तक होना है।

नगर निगम महापौर निर्मल कोसरे के नेतृत्व में जन भावना के अनुरूप विकास की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज बरसों से उपेक्षित गौरव पथ से पदुम नगर को ऐश्वर्या गैस एजेंसी के पास से जोड़ने वाली सड़क के कायाकल्प करने भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। श्री बघेल ने ओएसडी मनीष बंछोर व महापौर निर्मल कोसरे की मौजूदगी में 96 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया। उन्होंने महापौर कोसरे से सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की बात कही है।

महापौर निर्मल कोसरे ने बताया कि पदुम नगर भिलाई – चरोदा निगम क्षेत्र की पॉश कॉलोनी में शामिल है। इस कॉलोनी के लिए गौरव पथ से पूर्व में बनी डब्ल्यूबीएम सड़क बेहद खराब हो गई है। जिससे न केवल पदुम नगर बल्कि सड़क के दोनों ओर तेजी से विकसित हो रहे वसुंधरा नगर उत्तर कॉलोनी के लोगों की आवाजाही खतरों से खेलकर हो रही है। खासकर बारिश के मौसम में लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ती रही है। लेकिन आने वाले दिनों में सीमेंट कांक्रीट सड़क बन जाने से लोगों की इस मार्ग पर आवाजाही सुगम एवं सुरक्षित हो जाएगी।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य एस. वेंकट रमना, मनोज डहरिया, वसुंधरा नगर वार्ड पार्षद अभिषेक वर्मा, निगम के उप अभियंता वैभव त्यागी, एल्डरमैन राजेश बघेल, युकां नेता असफाक अहमद, युवराज कश्यप, अमरान अहमद, आशु वर्मा, उमाकांत चन्द्राकर निगम कर्मचारी सुरेश नासरे, श्यामता साहू सहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिक उपस्थित थे।

संत कबीर प्रगटोत्सव एवं सतसंग समारोह उल्लास वातावरण मे संपंन्न

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। समभाव गुरु कबीर कुटि सिविल लाईन शीतला तालाब के तत्वाधान मे दो दिवसीय संत कबीर प्रगटोत्सव 13 व 14 जून को अंचल के विभिन्न स्थान से पधारे कबीर पंथियों की उपस्थिति में उल्लासमय वातावरण के साथ गुरु वंदना, सतसंग प्रवचन गीत एवं उद्बोधन के साथ संपन्न हुआ। प्रथम दिवस सिविल लाईन शीतला तालाब स्थित समभाव गुरु कबीर कुटि के प्रांगण मे प्रात: 9 बजे गुरु वंदना के साथ शुभारंभ हुआ।

उल्लेखनीय है किं समभाव गुरु कबीर कुटि संभागीय समिति द्वारा प्रथम बार सदगुरु कबीर साहेब की विचार से प्रेरित होकर एक सूत्रीय लक्ष्य समभाव विचार प्रसार को संभाग से लेकर संपूर्ण छत्तीसगढ़ के जन–जन तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, प्रथम दिवस गुरु वंदना के अवसर पर विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल गुरुवंदना में शामिल होकर सतगुरु कबीर के सामने मत्था टेका एवं मानव मात्र के कल्याण के लिए आर्शिवाद मांगा।

विधायक अरुण वोरा ने संभागीय सदगुरु कबीर कुटि दुर्ग के द्वारा निर्धारित एक सूत्रिय लक्ष्य समभाव को जनजन पहुंचाने संबंधी संदेश की प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि इसकी निरंतरता बनी रहे। उन्होंने सदगुरु कबीर साहेब की शिक्षा सबके लिये जरुरी एवं प्रासंगिक बताया एवं अपने विधायक मद से सामुदायिक भवन एवं सतसंग मंच का निर्माण कर यथाशीघ्र उपलब्ध कराने आवश्वस्त किया।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा के साथ ही पर्यावरण सफाई एवं वृक्षारोपण पर बल देते हुए तालाब पार की सुन्दरता के लिए हर संभव सहयोग के लिये आवश्स्त किया। 14 जून को प्रात: 9 बजे गुरु वंदना सें शुभारंभ होकर, संतसंग प्रवचन का सिलसिला दिनभर जारी रहा। छत्तीसगढ़ की लता के नाम विख्यात गायिका जयंती यादव द्वारा प्रस्तुत गीत एवं भजन आम सभी संतो एवं भक्ता के मध्य आर्कषण का केन्द्र रहा। 2बजे पूर्व विधायक डा. बालमुकुंद देवांगन अतिथि के रुप मे उपस्थित हुए। गुरु पूजन के पश्चात् समापन आमसभा को संबोधित करते सदगुरु कबीर साहेब की शिक्षा को जनजन तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होनें वर्तमान परिवेश में, जो समुचे विश्व में, जो स्थिति है उस पर चिंता जाहिर करते हुए, सदगुरु कबीर साहेब की शिक्षा समभाव संदेश को ही विकल्प निरुपित किया। इसी क्रम में सात्विक यज्ञ, चौका आरती, भोजन भंडारा एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ।

खास खबर

मलेरिया की रोकथाम के लिए गंभीरता से करे काम, मच्छरदानी का उपयोग करें सुनिश्चित- कलेक्टर

सुकमा। कुछ ही दिनो में प्रदेश में बारिश होने लगेगी, इस दौरान मच्छरों के पनपने से मलेरिया का खतरा बढ़ता है, इसकी रोकथाम के लिए जमीनी स्तर के अधिकारी कर्मचारी सजग होकर पूरी गंभीरता से कार्य करें। मंगलवार को आयोजित समय सीमा के बैठक में कलेक्टर विनीत नंदनवार ने कहा कि जिले में मलेरिया की रोकथाम और उससे बचाव के लिए विगत वर्षों में अच्छे प्रयास किए गए है, फिर भी हम सभी को गंभीरता से मलेरिया से बचाव हेतु कार्य करना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, खासकर ऐसे क्षेत्र जहां मलेरिया का खतरा अधिक रहने की आशंका हो, में ग्रामीणों द्वारा मच्छरदानी का उपयोग सुनिश्चित किए जाने के लिए मितानिन एवं कोटवार के माध्यम से जन जागरूकता लाने को कहा। इसके साथ ही आश्रम छात्रावासों में भी विशेष एहतियात बरतने और बच्चों के नियमित जांच करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर नंदनवार ने पूर्ण आश्रम छात्रावासों के शीघ्र संचालन प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया है। जिससे बच्चों को जल्द से जल्द सुविधा हो। वहीं आगामी एक माह के भीतर पूर्ण होने वाले भवनों में विद्युतीकरण हेतु प्रस्ताव भेजने को कहा। ऑनलाइन पोर्टल पर एंट्री, ऑनलाइन सेवाओं का लाभ जिलेवासियों को सुविधापूर्ण रूप से मुहैया करने के लिए जिले भर में संचालित स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, राशन दुकान, आदिवासी विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित पुलिस विभाग के भवनों में इंटरनेट सुविधा की व्यवस्था के लिए सभी विभाग प्रमुखों को फाइबर नेट लगवाने के लिए निर्देशित किया है। बैठक में नंदनवार ने सर्व विभाग की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप सी–मार्ट को बढ़ावा देने के लिए, कार्यालय उपयोगी वस्तुओं की खरीदी सी–मार्ट से ही करने के लिए कहा, जिससे महिला समूहों को प्रोत्साहन मिले।

छत्तीसगढ़ चेम्बर की कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक संपन्न

चेम्बर कार्यकारिणी समिति ने मुख्यमंत्री का होलसेल कॉरिडोर के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष– राजेन्द्र जग्गी ,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक आज दिनांक 15 जून 2022 को दोपहर 12 बजे चेम्बर कार्यालय चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन बाम्बे मार्केट, रायपुर में आयोजित हुई। तत्पश्चात् विषय सूची के अनुसार बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई जिसमें पिछली कार्यकारिणी की बैठक की कार्यवाही का पठन एवं अनुमोदन,

लगभग 620 प्राप्त नये सदस्यता आवेदन पत्रों की सूक्ष्म जांच के पश्चात स्वीकृति प्रदान की गई, 44 सदस्यों से प्राप्त आवेदन फर्मों के नामध्स्थानध्प्रतिनिधि के नाम परिवर्तन, रू. 2000 से अधिक के खर्च की स्वीकृति, होलसेल मार्केट के संबंध में चर्चा, संविधान संशोधन के संबंध में चर्चा, चेम्बर के वार्षिक सम्मेलन (आमसभा) आयोजित करने हेतु विचार विमर्श, चेम्बर कर्मचारियों के वेतन वृद्धि पर चर्चा एवं अन्य विषय–अध्यक्ष महोदय की अनुमति से आदि विषयों पर चर्चा हुई। उपरोक्त सभी विषयों पर कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष पारवानी जी ने कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक में अपने उद्बोधन में विगत 15 महीनों के कार्यकाल में किये गये कार्यों एवं उपलब्धि की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी, उन्होंने कहा कि चेंबर की कोशिशों का ही ये परिणाम है कि रायपुर से अहमदाबाद की फ्लाइट शुरू हुई, चेंबर ने अपनी महती भूमिका निभाते हुए बजट के पूर्व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन जी को सुझाव भेजे। सिंगल यूज प्लास्टिक के संबंध में छोटे फुटकर व्यापारियों को जबरन परेशान कर बड़े कॉरपोरेट कंपनी के प्रति कार्यवाही में उदासीनता दिखा रही है जिसे लेकर समस्त जिलों के व्यापारीगण बैठक कर अपने जिलों के जिलाधीशों को ज्ञापन सौंपा जावे। पारवानी ने आगे कहा कि प्रदेश में व्यापार, उत्पादन तथा ग्रामीण औद्योगिकरण को बढ़ावा देने हेतु मुख्यमंत्री जी द्वारा 40000 गोठानों में प्रत्येक में 1 एकड़ सुरक्षित रखे गये हैं जिसमें रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क की स्थापना की जायेगी।

साई कॉलेज को राज्यपाल ने रक्तदाता सम्मान समारोह में किया सम्मनित

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। साई कॉलेज भिलाई को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राजभवन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित रक्तदाता सम्मान समारोह में कॉलेज द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों हेतु राज्यपाल महोदया द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर हरमीत सचदेवा ने राज्यपाल महोदया से सर्टिफिकेट एवम प्रतीक चिन्ह प्राप्त किया। कॉलेज के चेयरमैन जी एस सचदेवा ने इस अवसर पर प्राचार्य डॉ देशबंधु तिवारी, डिप्टी डायरेक्टर डॉ ममता सिंह, एनएसएस प्रभारी डॉ.विमल कुमार एवं सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र छात्र छात्राओं एवम अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और भविष्य में रक्तदान हेतु और अधिक जागरूकता एवं पुन: विशाल रक्तदान शिविर आयोजित करने हेतु प्रेरित किया।

मानव तस्करी उन्मूलन के लिए आयोजित होगी कार्यशाला

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के द्वारा छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में मानव तस्करी रोकथाम, अन्य हितधारकों तथा पीड़ितों के पूनर्वास से संबंधित प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग, मानव तस्करी रोकथाम, अन्य हितधारकों तथा पीड़ितों के पूनर्वास विषय पर जिला दुर्ग में एक कार्यशाला आयोजित किया जाना है।

प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले के जिला संरक्षण अधिकारी, नवा बिहान के अधिकारी, मानव तस्करी रोकथाम पर कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता (छळ०) तथा जिले के पुलिस विभाग के जवाबदार अधिकारी कार्यशाला में उपस्थित हुए। इस कार्यशाला में आधुनिकीकरण, आर्थिक विकास, पलायन एवं अन्य नवीन परिदृश्य में मानव तस्करी विशेषकर महिलाओं के मानव तस्करी रोकथाम, अन्य हितधारकों तथा पीड़ितों के पूनर्वास विषय पर परिचर्चा की गयी तथा एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने पर विचार किया गया। मौजूदा कानून तथा नए लागू हुए कानून के क्रियान्वयन एवं प्रभाव तथा आवश्यक संशोधन पर भी परिचर्चा की गयी एवं कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य में मानव व्यापार विशेषकर महिलाओं के अनैतिक व्यापार की रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। मानव व्यापार में सबसे अहम भूमिका प्लेसमेंट एजेंसियों की होती है, जो अच्छी नौकरी का प्रलोभन देकर मेट्रो सिटी में ले जाकर उनकी तस्करी करते है।

हृदय रोग, अस्थि रोग एवं नेत्र रोग जैसे विशेषज्ञों की उपस्थिति में सीसीएम में लगा विशाल शिविर

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, दुर्ग में एक जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ''चिरायु'' के अंतर्गत सफलता पूर्वक संचालित किया गया। जिसमें डॉ. अजय चौरसिया (कार्डियोथोरेसिक सर्जन) एवं डॉ. तुषार मालेवार (निश्चेतना विशेषज्ञ) की विशेष उपस्थिति से मरीज लाभांवित हुए। आज के इस शिविर में 131 मरीजों ने स्वास्थ्य

परीक्षण कराया और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया।

चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय, दुर्ग के अधिष्ठाता, डॉ. पीके पात्रा एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. अतुल मनोहर राव देशकर के कुशल नेतृत्व में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन गुप्ता, डॉ. राहुल ठाकुर, डॉ. चन्द्र प्रकाश साव, मेडिसीनरू डॉ. ज्योत्सना भारती, डॉ. अमरनाथ तारक, डॉ. मनीष यादव, सर्जरी रू डॉ. हर्षा रामटेके, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनम्रता शुक्ला, डॉ. प्रीतम राज कुर्रे, डॉ. सुकृति सिंह मौर्य, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. किरण चंद्र पंकज, डॉ. आकांक्षा तिवारी, पैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. स्नेहा वर्मा, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा गंगे डॉ. लाकेश कुमार साहू, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कलेन्द्री कुमार, डॉ. दीपिका रंगारे, डॉ. शिखा कश्यप ने अपना अभुतपूर्व योगदान दिया।

इसमें डॉ. जेपी मेश्राम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग एवं नेहा राजपूत तथा जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वास्तव व एसएमसी हार्ट इस्टीट्यूट से डॉ. शेजु थॉमस ने भी अपनी उपस्थित दी।

खुले हुए बोरवेल्स को तत्काल करें बंद - कलेक्टर

श्रीकंचपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में खुले हुए तथा अनुपयोगी बोरवेल्स को तत्काल बंद करने के निर्देश दिये है। आज आयोजित समय–सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती साहू ने खुले हुए बोरवेल्स के कारण किसी अनहोनी या दुर्घटना होने की संभावना को रोकने के लिए ऐसे बोरवेल्स को बंद करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है। कलेक्टर श्रीमती साहू ने जिले में गांववार सर्वे कर खुले बोरवेल्स का पता लगाने तथा उन्हे बंद करने के निर्देश सभी निर्माण एजेंसियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिये है।

साथ ही इसकी नियमित समीक्षा करने और पालन प्रतिवेदन से अवगत कराने के भी निर्देश दिये है। समय सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने महिला समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादो को बढावा देने तथा महिला समूहों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने कोरबा शहर में स्थापित किये जा रहे सी–मार्ट के बारे में भी जानकारी ली। उन्होने सी–मार्ट में उपलब्ध होने वाले उत्पादों की लिस्ट तथा उत्पादों की मूल्य आदि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने सी–मार्ट में प्रोडक्ट उपलब्ध कराने वाले वेंडर आदि की जानकारी लेकर समय सीमा में सी–मार्ट के कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती साहू ने जिले के दो गौठानों मे विकसित किये जा रहे रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के कार्यो की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होने रिपा क्षेत्र में विकसित किये जा रहे शेड निर्माण, मशीनों की स्थापना, बिजली आपूर्ति तथा आर्थिक गतिविधियों के लिए जरूरी संसाधनों के स्थापना के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने रिपा क्षेत्र को तेजी से पूरा करते हुए स्थानीय महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोडकर स्वरोजगार के साधन मुहैया कराने के निर्देश दिये। समय–सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, डी.एफओ. कोरबा श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, डीएफ्ओ कटघोरा श्रीमती प्रेमलता यादव, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. नूतन कंवर, प्रभारी एडीएम विजेन्द्र पाटले, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

समय सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती साहू ने कोविड टीकाकरण से छूटे हुए लोगों को कोविड वैक्सीनेशन करने के लिए फिर से वैक्सिनेशन महाअभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होने दूसरा डोज लगाने से छुटे हुए लोगों की लिस्टींग करके वैक्सिनेशन ड्राइव के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश सीएमएचओ डॉ. बी.बी. बोडे को दिये। कलेक्टर ने विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारी की बैठक लेकर वैक्सीनेशन ड्राइव की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिये।

मंत्री डॉ. डहरिया की अनुशंसा से आरंग में 50 लाख रूपए की स्वीकृति

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की अनुशंसा से रायपुर जिले के अंतर्गत आरंग विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में 50 लाख रूपये के विभिन्न कार्यों की स्वीकृति दी गई है। गौरतलब है कि आरंग विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के अंतर्गत सामुदायिक भवन निर्माण, रंगमंच, आहाता एवं सी. सी. रोड निर्माण कार्य हेतु ग्राम गुल्लू में सामुदायिक भवन निर्माण सतनामी पारा 6.50 लाख, भण्डारपुरी में सामुदायिक भवन निर्माण वार्ड क्र.–05 में 5.00 लाख, लखौली में रंगमंच निर्माण, सतनामी पारा में 2.00 लाख रूपये, चोरभट्ठी में सामुदायिक भवन में आहाता निर्माण कार्य, सतनामी पारा में 5.00 लाख रूपये, कुरूद में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार संत रविदास पारा में 5.00 लाख रूपये, भैंसा में सामुदायिक भवन निर्माण सतनामी पारा में 5.00 लाख रूपये, डूम्हा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य बाबा गुरूघासी दास डूम्हा धाम में 5.00 लाख रूपये, ग्राम केषला में चबूतरा निर्माण कार्य जैतखाम बजरंग भाटा के पास 1.00 लाख रूपये, ग्राम–अमोदी में रंगमंच निर्माण कार्य, यज्ञ भवन चौक 2.50 लाख तथा रंगमंच निर्माण कार्य बड़े भाटा चौक 3.00 लाख रूपये स्वीकृत किए है। तथा ग्राम सेमरिया (प) में सी. सी. रोड निर्माण कार्य, बाजार रोड से परसदा पहूंच मार्ग तक 5.00 उक्त समस्त कार्य हेतु 50 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

स्कूल शिक्षा मंत्री ने नए शिक्षा सत्र और शाला प्रवेश उत्सव की दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने नए शिक्षा सत्र और शाला प्रवेश उत्सव की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए नया सत्र 16 जून से प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने मंत्रीयों, संसदीय सचिवों, सांसद, विधायक, नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर कहा है कि ये सभी स्कूल हम सभी के हैं और हम सबको मिलकर ही इन स्कूलों को चलाना है। मंत्री डॉ. टेकाम ने जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की है कि कोई भी बच्चा शाला त्यागी और अप्रवेशी न रहे। शाला में नियमित उपस्थिति हेतु विशेष प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्रदान करें। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर इस सत्र से स्कूली शिक्षा में अपेक्षा अनुरूप परिवर्तन लाने में सफल होंगे। मंत्री डॉ. टेकाम ने उम्मीद जताई है कि इस वर्ष राज्य में अधिक से अधिक पालक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजें और प्रवेश दिलवाएं। इसके लिए सब को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित शालाओं पर लगातार नजर रखते हुए उसमें पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार हेतु आवश्यक प्रयास करना है।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा है कि विगत वर्षों में कोरोना के कारण बच्चों की पढ़ाई बहुत प्रभावित हुआ है। इस वर्ष हम समय पर स्कूल खोल पा रहे हैं और आशा करते हैं कि पूर्व की भांति पूरे जोर-शोर से स्कूल का संचालन होगा और बच्चे पढ़ने-लिखने-सीखने की दक्षता प्राप्त कर लेंगे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि प्रवेश उत्सव में अवश्य सहभागी बनें और अपने-अपने क्षेत्र की शालाओं में प्रवेशोत्सव को यादगार रूप में मनाते हुए अपनी सहभागिता देकर पालकों को शासकीय शालाओं में बेहतर और गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदाय करने के लिए आश्वस्त करें। डॉ. टेकाम ने कहा है कि शिक्षकों ने स्वयं मेहनत कर शैक्षणिक सामग्री तैयार की है जो उपयोगी सिद्ध होगा।

परमिट 7 दिनों के भीतर नहीं लेने पर हो जाएगा रद्दः क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार ने जारी किया पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब राज्य के भीतर यात्री बसों के परिचालन के लिए परमिट (अनुज्ञा पत्र) जारी होने पर उसे सात दिवस के भीतर संबंधित प्राधिकार से प्राप्त करना होगा, निर्धारित अवधि में परमिट प्राप्त न करने की स्थिति में प्राधिकार द्वारा जारी परमिट को रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही आवेदन को नस्तीबद्ध करने की कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार की ओर से आज एक पत्र जारी किया गया है। पत्र के अनुसार क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 72 के अंतर्गत नवीन स्थायी अनुज्ञा-पत्र एवं छत्तीसगढ़ मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 81 के अंतर्गत यात्री बसों के परिचालन अनुज्ञा-पत्र के नवीनीकरण के लिए आवेदन पर जिन्हें स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वे परमिट पर आच्छादित वाहन का वैध पंजीयन प्रमाण-पत्र, बीमा प्रमाण-पत्र, फिटनेस प्रमाण-पत्र अपने स्वामित्व के समस्त वाहनों का कर (टैक्स) चुकता प्रमाण-पत्र के साथ वाहन संबंधी अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए सात दिवस के भीतर नवीनीकरण एवं स्थायी अनुज्ञा-पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें। सात दिवस के भीतर परमिट प्राप्त न करने पर आवेदन नस्तीबद्ध करने की कार्यवाही कर दी जाएगी।

शिक्षक नए संकल्प के साथ शिक्षादान के कार्य में पूरे समर्पण के साथ जुट जाएंः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दी नए शिक्षा सत्र और शाला प्रवेशोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं

इस सत्र से चयनित स्कूलों में खुलेंगी बालवाड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज से शुरू हो रहे नए शिक्षा सत्र और शाला प्रवेशोत्सव के पावन अवसर पर सभी को गाड़ा-गाड़ा बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की है कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ, शाला प्रवेशोत्सव को सार्थक बनाते हुए नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ शिक्षादान के कार्य में पूरे समर्पण के साथ जुट जाएंगे। आप और हम मिलकर शिक्षित छत्तीसगढ़ बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

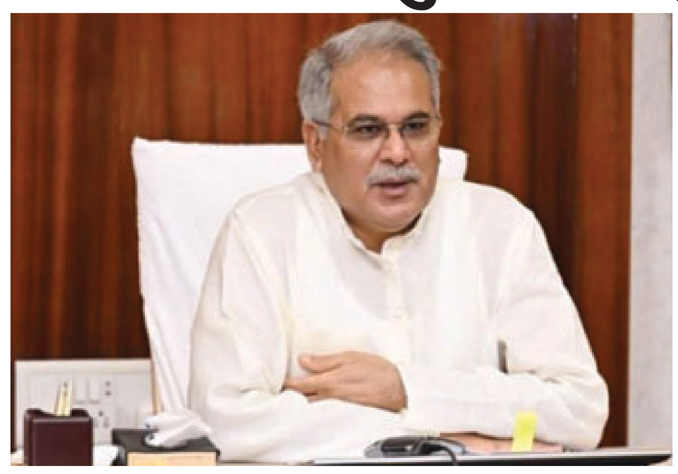

मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि कोराना संक्रमण और लॉकडाउन के कारण विगत 2 वर्षों में नियमित शालाएं गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, लेकिन हमने यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी स्थिति में बच्चों के पढ़ने और बढ़ने में कोई बाधा न आए और उनका साल खराब न जाए। उन्होंने कहा कि नए शिक्षा सत्र 2022 की शुरुआत हम बहुत उम्मीदों के साथ कर रहे हैं कि इस वर्ष नियमित शालाएं संचालित हों, साथ ही पिछले सत्रों में हुए नुकसान की भरपाई भी हो सके। नए सत्र के साथ हम नए कार्यों का आगाज भी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सत्र से कुछ चयनित शालाओं में बालवाड़ी खोलने का निर्णय लिया है। मेरा मानना है कि हमारे शिक्षक-शिक्षिकागण यदि इस आयुवर्ग के बच्चों पर समुचित ध्यान देंगे तो बच्चे जल्दी ही विषय को आत्मसात कर सकेंगे। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विगत पन्द्रह से अधिक वर्षों के दौरान चार सौ से अधिक शालाएं विभिन्न कारणों से बंद हो चुकी थी, जहां शालाओं का नियमित संचालन प्रारंभ करने की मांग स्थानीय समुदाय तथा पालकों द्वारा की जा रही थी। इस तरह इन अंचलों में 260 स्कूलों का नियमित संचालन प्रारंभ करने जा रहे हैं, जिनसे हजारों बच्चों की शिक्षा की बुनियाद मजबूत होगी।

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और नई प्रौद्योगिकी अपनाने का सिलसिला आगे भी जारी रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान ''पढ़ई तुहर दुआर'' प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया था। जिसका अच्छा उपयोग हमारे शिक्षकों, पालकों एवं विद्यार्थियों ने किया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि नवाचार और नई प्रौद्योगिकी अपनाने का सिलसिला आगे भी जारी रहे। शिक्षा को रूचिकर बनाने के प्रयासों का स्वागत है। प्रदेश में शिक्षा की अधोसंरचना तथा गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी तथा हिन्दी माध्यम विद्यालय योजना संचालित की जा रही हैं, जिसके तहत 171 अंग्रेजी माध्यम एवं 32 हिन्दी माध्यम स्कूलों का संचालन प्रारंभ किया गया। जिन स्थानों से मांग आ रही है वहां भी इस योजना का लाभ देने की व्यवस्था की जा रही है। सरकार का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों की उत्कृष्टता का स्तर किसी भी निजी स्कूल से कम न हो और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य भी उज्जवल हो।

जनगणना के लिए प्रशासनिक सीमाओं को फ्रीज करने की समय सीमा 31 दिसंबर 2022 तक बढ़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय ने प्रशासनिक सीमाओं को फ्रीज करने की समय-सीमा 31 दिसंबर 2022 तक बढ़ा दी है। इससे पहले भारत के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय द्वारा प्रशासनिक सीमाओं को फ्रीज किए जाने की समय-सीमा 30 जून 2022 निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 दिसंबर 2022 कर दिया गया है। गौरतलब है कि प्रशासनिक सीमाओं को फ्रीज करने के कुछ महीने बाद ही जनगणना शुरू हो सकती है। इसलिए अब वर्ष 2022 में जनगणना की संभावना नहीं है।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय के जनगणना निदेशक ने लिखा है कि कोरोना महामारी के कारण मौजूदा परिस्थितियों में इसके फैलने की संभावना बढ़ने का खतरा और देश में कोरोना टीकाकरण अभियान को तेज करने में राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की व्यस्तता और भागीदारी के चलते इस वर्ष जनगणना का कार्य प्रारंभ करना संभव नहीं होगा। जनगणना नियम 1990 के नियम 8(4) के अनुसार प्रशासनिक इकाईयों की सीमाओं को जनगणना आयुक्त द्वारा सूचित तिथि से फ्रीज किया जाएगा। यह तिथि जनगणना से एक वर्ष की पहले की नहीं होगी। ऐसी स्थिति में अब सक्षम प्राधिकारी द्वारा सीमाओं को फ्रीज करने की तिथि को 31 दिसंबर 2022 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। आगामी जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाईयों की सीमाएं अब 31 दिसंबर 2022 को फ्रीज की जाएंगी।

जनगणना निदेशक ने सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव एवं राज्य के प्रशासक को अपने राज्य क्षेत्र में सभी संबंधित प्रशासनिक सीमाओं में यदि कोई परिवर्तन हो तो 31 दिसंबर 2022 तक उसे प्रभावी करने का निर्देश जारी करने तथा जनगणना निदेशालय को अधिकार क्षेत्र में परिवर्तन के संबंध में जारी अधिसूचना की प्रति भिजवाने को कहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि जनगणना से पहले अधिसूचित जिलों, गांवों, कस्बों और अन्य प्रशासनिक इकाईयों जैसे तहसीलों, पुलिस स्टेशनों की संख्या में बदलाव के बारे में राज्यों द्वारा रजिस्ट्रार जनरल को जानकारी देना होता है।

पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में हुआ हैकमंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा की मुख्य आतिथ्य में हैकमंथन नामक हैकाथन प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। समारोह विशेष अतिथि के रूप में प्रदीप सिन्हा, निदेशक, ट्रिपलआईटी सम्मिलित हुए एवं तकनीकी सेवा के प्रमुख प्रदीप गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वारा मेजबानी की गयीप् गौरतलब है कि पुलिस की तकनीकी संबंधी समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) नवा रायपुर के सहयोग से दिनांक 27 मई 2022 से ''हैक-मंथन'' नामक हैकाथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (तकनीकी सेवा) कवि गुप्ता ने बताया कि महीने भर चलने वाले इस प्रतियोगिता में देशभर से सूचना प्रोद्यौगिकी से जुडे तकनीकी संस्थान जैसे-आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी आदि के 460 टीमें शामिल है। स्वीकृत आवेदनों के आधार पर प्रथम चरण में 13 जून से 20 जून तक हैकाथन हेतु जारी प्राब्लम स्टेटमेंटस का समाधान कोडिंग के माध्यम से ढूढ़ने हेतु प्रतिभागियो द्वारा प्रयास किया जायेगा। प्रथम चरण के प्रतियोगिता के बाद कुल 12 टीमों को फाइनल राउंड हेतु शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। अंतिम चरण 29 जून 2022 को होटल मैरियट, रायपुर में आयोजित किया जाएगा जिसमें चयनित टीमो द्वारा अपने द्वारा तैयार किये गये समाधान प्रस्तुतिकरण दिया जायेगा। इन प्रस्तुतिकरण के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं की घोषणा कि जायेगी जिन्हे क्रमशः 80 हजार, 40 हजार, एवं 20 हजार रूपये नगद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

इस संबंध में पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने बताया कि अब समय आ चुका है कि पुलिसिंग में ज्यादा से ज्यादा तकनीक का अनुप्रयोग कर इसे आधुनिक बनाया जाये एवं तेजी से बढ़ रहे तकनीक आधारित साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाये। तकनीकी सेवा के प्रमुख प्रदीप गुप्ता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने बताया कि है कथन को प्रासंगिक एवं रोचक बनाने के लिए वास्तविक जीवन मे पुलिसिंग में आ रही तकनीकी समस्याओं को प्राब्लम स्टेटमेंस के रूप में इस प्रतियोगिता में समावेशित किया गया है, जिनमें शामिल हैं-ट्रैक 01 दृ क्रिप्टोकरेंसी आधारित ट्रांजेक्शन की ट्रेकिंग हेतु समाधान, ट्रैक 02 दृ सीसीटीव्ही कैमरो से प्राप्त फीड्स का पुलिंसिग की दृष्टि से उन्नयन, ट्रैक 03 दृ डॉयल 112 में प्राप्त होने वाले आपातकालीन कॉल्स की फिल्टरिंग एव स्पीच इमोशन रिकगनिशन, ट्रैक 04 दृ सोशल मीडिया पोस्ट का सेन्टिमेंट एनालिसिस, ट्रैक 05 दृ क्राईम डाटा विश्लेषण।

सहायक पुलिस महानिरीक्षक (तकनीकी सेवा) मनीष शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतियोगिता को काफी अच्छा रिस्पांस प्राप्त हुआ है। देशभर से 1200 से भी अधिक प्रतिभागियों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो इस प्रतियोगिता की सफलता को दर्शाता है। इस प्रतियोगिता में कॉरपोरेट जगत से भी पुलिस के साथ मिलकर सयुंक्त प्रयास कर रहे है।

ट्रिपल आईटी के डायरेक्टर प्रदीप सिन्हा ने अपने वक्तव्य में बताया कि पुलिस विभाग एवं ट्रिपल आईटी द्वारा यह अपने किस्म का पहला आयोजन है तथा भविष्य में भी इसप्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन किए जाने की आवश्यकता है। उद्घाटन समारोह में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी सेवा के समस्त स्टाफ, ट्रिपल आईटी के प्रोफेसर, छात्र एवं प्रतिभागी उपस्थित थे।

राज्य शासन की योजनाओं से ग्रामीणों के जीवन में आ रहा बदलाव

बस्तर जिले के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के साईंस कॉलेज मैदान स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में जनसम्पर्क विभाग द्वारा विकास कार्यों की प्रदर्शनी लगाई गई है। विकास प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य में साढ़े तीन सालों में हुए विकास कार्यों एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी छायाचित्र एवं एलईडी के माध्यम से सलीके से प्रदर्शित की गई है। इस विकास प्रदर्शनी को देखने के लिए विभिन्न जिलों से लगातार ग्रामीण जन एवं जनप्रतिनिधि पहुंच रहे हैं। आज बस्तर जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने प्रदर्शनी को देखकर सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, तेन्दूपत्ता एवं वनोपज संग्रहण जैसे नई योजनाओं से ग्रामीणों के जीवन में बदलाव आ रहा है। इसके साथ ही उनकी आमदनी में भी बढ़ोत्तरी हो रही है।

विकास प्रदर्शनी का आज बस्तर जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने अवलोकन किया। इसमें विकासखण्ड बकावण्ड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तारापुर, भरदा, मोगरापाल, किजोली, तोकापाल, तेलीमारेंगा, विकासखंड बस्तर के ग्राम पंचायत परलबटा, कलचा, मांगणपार, सोनारपाल देवड़ा आदि के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने अवलोकन किया। ग्राम पंचायत तारापुर के सरपंच आयतुराम भारती ने बताया कि सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना से ग्रामीणों की आमदनी बढ़ी है। महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से जुड़कर रोजगार प्राप्त कर रही है।

खेल अकादमियों के संचालन के लिये आगे आए उद्योग समूह

खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा उद्योग विभाग की संयुक्त बैठक

छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण के अंतर्गत उद्योगों के माध्यम से खेल अकादमियों का संचालन किया जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में उद्योग समूहों की बैठक आज राजधानी के पं. दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में आयोजित की गई। इस दौरान राज्य में आवासीय एवं गैर आवासीय खेल अकादमियों को संचालित करने के लिये उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा एवं विचार विमर्श कर उद्योगों को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुवा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग सचिव नीलम नामदेव एक्का, खेल संचालक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, अपर संचालक उद्योग प्रवीण शुक्ला सहित विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधि उपस्थित हुये।

बैठक में प्रमुख सचिव मनोज पिंगुवा ने उद्योगों के प्रतिनिधियों को बताया कि राज्य सरकार की अपेक्षा के अनुरूप उद्योगों द्वारा सी.एस.आर. कम्पनी एक्ट के अंतर्गत सी.एस.आर. मद से राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिये भरपूर सहयोग करते हुये सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किया जाना है। राज्य शासन के इस पहल का सभी उद्योग प्रतिनिधियों के द्वारा सराहना की गई और एकमत होकर खेलों को आगे बढ़ाने के लिये आर्थिक सहयोग देने की सहमति दी गई।

खेल संचालक द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य में संचालित होने वाली खेल अकादमियों तथा मुख्यमंत्री द्वारा खेल अकादमियों की स्थापना हेतु की गई घोषणा के बारे में विस्तार से बताया गया और विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय खेल अकादमियों के संचालन के लिये उद्योगों से सहयोग के संबंध में अवगत कराया गया।

बैठक में चर्चा करते हुए हॉकी, तीरंदाजी एवं एथलेटिक की आवासीय अकादमी बिलासपुर, आवासीय एवं गैर आवासीय तीरंदाजी अकादमी रायपुर, आवासीय एवं गैर आवासीय हॉकी अकादमी रायपुर, बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी बिलासपुर, लॉन टेनिस अकादमी रायपुर, तीरंदाजी अकादमी जशपुर, जूडो अकादमी दुर्ग के संचालन के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। इसके अलावा बेडमिंटन अकादमी रायपुर, बास्केटबॉल वालीबॉल एवं स्वीमिंग अकादमी कोरबा, कयाकिंग एण्ड कैनोइंग अकादमी जगदलपुर, शहीद गुण्डाधुर तीरंदाजी अकादमी जगदलपुर, आवासीय हॉकी अकादमी राजनांदगांव, तीरंदाजी प्रशिक्षण उपकेन्द्र शिवतराई बिलासपुर, बालिका फुटबॉल अकादमी रायपुर एवं एथलेटिक अकादमी रायपुर के संचालन हेतु उद्योगों के समक्ष प्रस्ताव रखा गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

रोजी-रोटी के लिए पार्टियों में डांस करते थे मिथुन इस फिल्म ने बदली 'डिस्को किंग' की किस्मत

मायानगरी मुंबई की चकाचौंध भरी दुनिया में रोजाना कई लोग कुछ कर गुजरने का और बड़ा सितारा बनकर चमकने का सपना लेकर आते हैं। बहुतों के सिर पर स्टार्स का ताज सजता है, लेकिन कईयों को मायूस होकर बैरंग लौटना भी पड़ जाता है। आज से करीब 40 साल पहले आंखों में एक बड़ा स्टार बनने का सपना लेकर मिथुन भी मायानगरी में आए थे। कड़ी मेहनत के बाद आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं है। बॉलीवुड में शोहरत हासिल कर चुके मिथुन आज अपना 72वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए अभिनेता को कौन-कौन सी कठिन परीक्षाओं का समना करना पड़ा था आज इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं।

दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, एक वो जिन्हें स्टारडम विरासत में मिलता है, दूसरे वो जिनको जिंदगी में एक मुकाम हासिल करने के लिए खूब तलवे घिसने पड़ते हैं तब जाकर उन्हें शोहरत मिलती है। मिथुन भी इन्हीं में से एक हैं। जिंदगी में संघर्ष कई तरह का होता है, लेकिन जब आपके पास खाने के लिए रोटी और सिर छुपाने के लिए छत न हो तो हालात कैसे होते हैं इसे मिथुन से बेहतर कोई नहीं जान सकता है।

मिथुन चक्रवर्ती जब फिल्मों में बड़ा हीरो बनने का ख्वाब पाले मायानगरी में पहुंचे तो उनकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। कई बार ऐसा हुआ कि जब सोने के लिए जगह नहीं मिली तो वह कभी गार्डन में तो कभी हॉस्टल के बाहर सोते थे। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि उनके दोस्त ने अभिनेता को जिमखाना क्लब की मेंबरशिप ही इसलिए दिलाई थी कि वह सुबह उठकर वहां बाथरुम का इस्तेमाल कर सकें।

सुबह उठकर फ्रेश होने के बाद वह काम की तलाश में भटकते रहते थे। दिन में खाना मिलेगा या नहीं ये नहीं पता होता था। हालात ये हो गए थे कि अभिनेता के मन में सुसाइड तक करने का ख्याल आने लगा था। लेकिन फिर भी उन्होंने कभी भी सपना देखना नहीं छोड़ा और हमेशा हकीकत का सामना किया।

1975 से 76 के दौर में अपनी स्किन टोन की वजह से उन्हें कई बार रिजेक्शन का समना करना पड़ा। तब मिथुन दा ने सोचा कि वह डांस अच्छा कर सकते हैं। तब उन्होंने अच्छी फाइटिंग और मार्शल आर्ट पर ध्यान देना शुरू किया। वह हमेशा सोचते थे कुछ ऐसा करूं जिससे लोगों का ध्यान मेरे रंग पर ना जाकर मेरे पैरों पर जाए और फिर उन्होंने अपने डांस स्किल्स पर ज्यादा ध्यान दिया। तब उन्होंने बड़ी-बड़ी पार्टियों में डांस करके अपना पेट भरना शुरू किया।

मिथुन की जिंदगी में साल 1976 में टर्निंग पॉइंट तब आया जब मृणाल सेन ने उन्हें फिल्म 'मृगया' में ब्रेक दिया। इसमें मिथुन का रोल एक ट्राइबल हीरो का था, जिसमें वह बिल्कुल फिट बैठते थे। इस फिल्म के लिए मिथुन ने बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता। इसके बाद तो उन्होंने छोटी-बड़ी हर तरह की फिल्मों की झड़ी लगा दी। 350 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले मिथुन के करियर की कुछ बेहतरीन फिल्में डिस्को डांसर, अग्निपथ, जल्लाद, कमांडो, गुरु, पसंद अपनी अपनी, घर एक मंदिर, स्वर्ग से सुंदर हैं।

एक समय पर दर-दर की ठोकरें खाने वाले इस अभिनेता की जब किस्मत पलटी तो ये बॉलीवुड के सबसे बिजी एक्टर में से गिने जाते थे। 1989 में लीड एक्टर के तौर पर उनकी 19 फिल्में रिलीज हुई थीं। इसके लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में अभिनेता का नाम दर्ज है। इस रिकॉर्ड को अभी तक कोई तोड़ नहीं पाया है।

सामने आई अक्षय की फिल्म 'रक्षा बंधन' की रिलीज डेट, बॉक्स ऑफिस पर आमिर खान से हो सकता है क्लैश

अक्षय कुमार हर साल कई बेहतरीन फिल्में रिलीज करने के लिए जाने जाते हैं। इस साल भी वह आनंद एल राय की फिल्म 'रक्षा बंधन' में नजर आने वाले हैं। वह हाल ही में मानुषी छिल्लर के साथ 'पृथ्वीराज' में नजर आए थे। गुरुवार की सुबह, अक्षय ने सोशल मीडिया पर 'रक्षा बंधन' की रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए एक छोटा वीडियो साझा किया है। वीडियो के साथ, उन्होंने लिखा, आप सभी के लिए बंधन के शुद्धतम रूप की एक कहानी ला रहा हूं जो आपको आपकी कहानी की याद दिलाएगा! रक्षाबंधन, 11 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इसी दिन आमिर खान और करीना कपूर खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' भी सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली थी। लेकिन यश स्टारर 'केजीएफः चैप्टर 2' से क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने फिल्म को टाल दिया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती हैं।

मशहूर सिंगर बी प्राक के नवजात बच्चे का निधन, पोस्ट शेयर कर बयां किया अपना दर्द

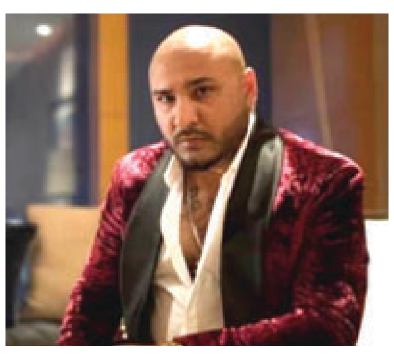

मशहूर सिंगर बी प्राक अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए काफी उत्साहित थे लेकिन अब सिंगर ने एक बुरी खबर दी है। बी प्राक की पत्नी मीरा ने बेटी को जन्म दिया था, जिसका जन्म के कुछ समय बाद ही निधन हो गया। इस घटना ने बी प्राक और मीरा को पूरी तरह तोड़ दिया है। सिंगर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपना दर्द बयां किया है। इस पोस्ट में सिंगर ने बताया कि वह इस समय सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।

बी प्राक ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, 'काफी दुख के साथ मुझे बताना पड़ रहा है कि जन्म के समय हमारे नवजात बच्चे का निधन हो गया है। माता-पिता के रूप में हम जिस वक्त से गुजर रहे हैं। वह सबसे ज्यादा दर्दनाक है। हम सभी डॉक्टर्स और स्टाफ के प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। हम इस दुख से टूट गए हैं। हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि कृपया इस समय हमारी निजता का ध्यान रखें। मीरा और बी प्राक।' बी प्राक के इस पोस्ट के बाद फैंस से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक दुख व्यक्त कर रहे हैं। राजीव अदातिया ने लिखा, 'आपके लिए ढेर सारा प्यार भेज रहा हूं। मजबूत रहो।' करण जौहर ने लिखा, 'मेरे विचार और प्रार्थनाएं आप दोनों के साथ हैं।' वहीं, अभिनेत्री गौहर खान ने लिखा, 'भगवान आपको और आपकी पत्नी को मजबूत रखे।' इसके अलावा, नीति मोहन, मीका सिंह, अली गोनी, नेहा धूपिया समेत कई स्टार्स ने पोस्ट पर कमेंट किया है।

बता दें कि बी प्राक और मीरा ने 4 अप्रैल 2019 को शादी रचाई थी। शादी के बाद साल 2020 में दोनों बेटे के माता-पिता बने, जिसका नाम अदब है। वहीं, इसी साल अप्रैल के महीने में ही सिंगर ने खुलासा किया था कि उनकी पत्नी प्रेग्नेंट हैं और वह जल्द ही अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म में साउथ अभिनेता सूर्या की एंट्री, सेट से सामने आई तस्वीर

तमिल सिनेमा की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सोरारई पोट्रु' इन दिनों चर्चाओं में है। इस फिल्म को हिंदी में बनाया जा रहा है, जिसमें बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार नजर आएंगे। यानी अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं और इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक और बड़ी जानकारी सामने आई है। अक्षय कुमार की इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार सूर्या की एंट्री हुई है। सूर्या फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। लेकिन वह फिल्म में कैमियो भी करने वाले हैं।

सूर्या ने एक ट्वीट किया है, जिसके जरिए उन्होंने फैंस को गुड न्यूज देते हुए बताया है कि 'सोरारई पोट्रु' के हिंदी वर्जन में वह भी नजर आएंगे। उन्होंने ट्विटर पर अक्षय कुमार के साथ एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है, जिसमें अक्षय बैठे हुए हैं और सूर्या 'खिलाड़ी कुमार' का सहारा लेकर लेटे हुए हैं। इस तस्वीर के बैकग्राउंड में हवाई जहाज की झलक देखी जा सकती है, जिससे साफ है कि सूर्या ने फिल्म में अपना हिस्सा शूट कर लिया है।

सूर्या ने अपने ट्वीट के साथ लिखा, 'अक्षय कुमार सर आपको VIR के रूप में देखकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। सुधा कोंगरा (डायरेक्टर) दिख रहा है कि हमारी कहानी एक बार फिर से खूबसूरती से जीवंत हो रही है। टीम सोरारई पोट्रु को हिंदी की टीम के साथ हर मिनट का मजा आया। मैं इसमें ब्रीफ कैमियो में हूं।' अभिनेता का ये ट्वीट देखकर फैंस भी काफी खुश हुए हैं। कई लोगों ने सूर्या के इस पोस्ट पर फायर और हार्ट का इमोटिकॉन शेयर किया है। इसके अलावा, कुछ यूजर्स ने 'अन्ना' भी लिखा है।

वीर दास की कोविड रिपोर्ट आई पॉजिटिव सोशल मीडिया पर दी जानकारी

कॉमेडियन वीर दास कोरोना की चपेट में आ गए हैं। हाल ही में उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस बात की जानकारी वीर ने सोशल मीडिया पर कोविड-19 रैपिड टेस्टिंग किट की एक फोटो शेयर कर दी है। वीर ने पोस्ट में बताया है कि अब वो आरटीपीसीआर टेस्ट कराने जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने परफॉर्म न कर पाने पर गुजरात के लोगों से माफी भी मांगी है।

वीर दास ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, गुजरात। जब मैं सुबह सोकर उठा तो मेरे अंदर कोरोना के सिम्पटम्स दिखाई दिए, इसलिए अब मैं आरटीपीसीआर टेस्ट कराने जा रहा हूं। टीम फिलहाल गुजरात शो के लिए नई डेट्स पर काम कर रही है। जब भी वेन्यू उपलब्ध होंगे, तब हम कोशिश करेंगे कि हम आपका मनोरंजन करने जल्द से जल्द गुजरात आएं। अगर आप चाहते हैं तो हम आपके टिकट के पैसे वापस दे सकते हैं। सॉरी गुजरात! मैं बहुत दुखी हूं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप शो देखने जरूर आएंगे। मुझे आशा है कि आप नई तारीखों पर वापस आएंगे।

कॉमेडी के साथ साथ फिल्मों में भी काम कर चुके हैं वीर

वीर दास का जन्म उत्तराखंड के देहरादून में 31 मई 1979 को हुआ था। वीर बहुत फेमस कॉमेडियन हैं और उनकी सोशल मीडिया पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। कॉमेडियन होने के साथ-साथ वीर दास एक एक्टर भी हैं। उन्होंने साल 2007 में आई फिल्म 'नमस्ते लंदन' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि वीर का विवादों से गहरा नाता है वो कई बार विवादों में घिर चुके हैं।

'शक्तिमान' पर बनेगी 300 करोड़ की फिल्म, सोनी पिक्चर्स से डील पर मुकेश खन्ना का पहली बार खुलासा

बी आर चोपड़ा की बनाई 'महाभारत' में भीष्म पितामह और अपने ही बनाए धारावाहिक 'शक्तिमान' में लीड रोल करके दुनिया भर में मशहूर हुए अभिनेता मुकेश खन्ना इन दिनों सामाजिक कार्यों में जुटे हुए हैं। वह चाहते हैं कि पूरा हिंदू समाज हर मंगलवार को निकट के मंदिर जाकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करे। सरकार सबको मुफ्त में पढ़ाए और सबका मुफ्त में इलाज कराने की व्यवस्था करें। इन सबके बीच मुकेश खन्ना के बनाए किरदार 'शक्तिमान' के मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में शामिल होने की बातें भी चलती रही हैं। अब इस पर उन्होंने खुलकर बात की है।

अभिनेता मुकेश खन्ना इन दिनों 'जुमे की नमाज है, संडे को मास है तो फिर हिंदुस्तान का कुछ क्यों नहीं हो रहा?' बयान को लेकर चर्चा में है। वह कहते हैं, 'अगर मुसलमान शुक्रवार के दिन इकट्ठे होकर जुमे की नमाज पढ़ सकते है और ईसाई रविवार को चर्च में जाकर प्रेयर कर सकते हैं तो हिन्दू क्यों नहीं हफ्ते में किसी एक दिन मंदिर में जाकर सामूहिक रूप से प्रार्थना कर सकते हैं। मेरा सुझाव है कि हफ्ते में एक दिन मंगलवार को सभी हिंदू अपने निकट के मंदिर में जाए और ओम का उच्चारण करें। कौन क्या कर रहा है, इससे मुझे नहीं लेना देना। बस मैं यह चाहता हूं कि हमारे हिन्दू भी हफ्ते में एक दिन ओम का उच्चारण करें।'

देश की शिक्षा प्रणाली पर मुकेश खन्ना ने कहा कि शिक्षा की कमजोरी सिर्फ हिन्दुओं की नहीं है, मुस्लिम और अल्पसंख्यकों सबकी कमजोरी है। हमारे यहां शिक्षा महंगी है। किसान अपने बेटे को इसलिए शिक्षित नहीं कर पाता क्योंकि उसके पास पैसे नहीं है। वह कहते हैं, 'मैं कई बार यह कह चुका हूं कि शिक्षा को फ्री और अनिवार्य कर देना चाहिए। शिक्षित न होने से लोग उसका शोषण करते है। शिक्षा का असर पूरे हिंदुस्तान के गरीबों पर है, इसका खमियाजा तो हमें भुगतना ही पड़ेगा क्योंकि हमने शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दी। इसी तरह मेडिकल की सुविधा भी हमारे देश में अच्छी नहीं है। शिक्षा की तरह उपचार भी फ्री होना चाहिए, आज जिंदगी और मौत के बीच पांच मिनट का फर्क होता है, आदमी के पास पैसे न हो तो वह मर जाए। बाकि देशों में ऐसा नहीं है वहां पहले जान बचाना जरूरी है।

मुकेश खन्ना ने अपने चर्चित धारावाहिक 'शक्तिमान' के अधिकार सोनी पिक्चर्स को दे दिए हैं। मुकेश खन्ना कहते हैं, 'ये प्रोजेक्ट मेरे पास कई साल के बाद आया है। लोग मुझसे बोलते थे कि शक्तिमान 2 बनाइए। मुझे शक्तिमान को टीवी पर फिर नहीं लाना था। अंदर अंदर बातें होती तो मैंने सोनी वालों के साथ हाथ मिला लिया, उन्होंने भी इसे सार्वजनिक कर दिया है और मैंने भी। लोग पूछते हैं कि कि अब आगे क्या हो रहा है? अब लोगो को मैं क्या बोलूं क्योंकि यह बड़ी फिल्म है कम से कम तीन सौ करोड़ की। जब तक सब अनुबंधित नहीं हो जाते तब तक इस बारे में ज्यादा कुछ बता नहीं सकते।'

इस बारे में काफी कुरेदने पर मुकेश खन्ना बताते हैं, 'ये फिल्म स्पाइडर मैन बनाने वाले बना रहे हैं। लेकिन, शक्तिमान देसी होगा। फिल्म की कहानी मैंने अपने हिसाब से तैयार करवाई है। मेरी उनसे यही शर्त थी कि आप कहानी नहीं बदलेंगे। लोग पूछते हैं कि शक्तिमान कौन बनेगा? यह भी अपने आप में बहुत बड़ा सवाल है, जिसका जवाब मैं नहीं दूंगा लेकिन यह भी तय है कि बिना मुकेश खन्ना के शक्तिमान नहीं बनेगा। क्योंकि अगर दूसरा कोई शक्तिमान बनेगा तो पूरा देश उसे स्वीकार नहीं करेगा।' यह पूछने पर कि क्या फिल्म को कोई हॉलीवुड का निर्देशक निर्देशित करेगा? मुकेश खन्ना ने कहा कि फिल्म की कहानी हिंदुस्तान की है तो निर्देशक भी यही का होगा क्योंकि बाहर का निर्देशक हिन्दुस्तान की कहानी को समझ नहीं पाएगा।

जल्द रिलीज होने जा रही है हॉटस्टार स्पेशल्स की नई सीरीज 'शूरवीर'

भारत के सबसे पॉपुलर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स में से एक हॉटस्टार ने थ्रिलर सीरीज के बाद अब देशभक्ति से जुड़ी एक सीरीज 'शूरवीर' रिलीज करने के लिए तैयार है। आज ही हॉटस्टार ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीरीज का टीजर साझा करते हुए इसकी घोषणा की है। इस 24 सेकेंड के टीजर में आर्मी की ट्रेनिंग से लेकर उसके दौरान होने वाली गतिविधियों को दिखाया है।

क्या वायु सेना, नौसेना और थल सेना के सबसे होनहार और मजबूत सेना अधिकारी हमारे देश को आने वाले खतरे से बचाने के लिए आ सकते हैं? 'डिज्नी+होटस्टार' अपने आगामी हाई ऑक्टेन एक्शन ड्रामा, हॉटस्टार स्पेशल्स की सीरीज 'शूरवीर' में यही कॉन्सेप्ट ला रहा है। जगरनॉट प्रोडक्शंस और समर खान द्वारा निर्मित इस वेब सीरीज का निर्देशन कनिष्क वर्मा ने किया है। यह सीरीज 'डिज्नी+हॉटस्टार' पर हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली में उपलब्ध होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर सीरीज का टीजर साझा करते हुए लिखा, सर्वश्रेष्ठ, सर्वत्र, सर्वदा। हॉटस्टार स्पेशल्स शूरवीर जल्द आ रही है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI[th] XII[th] B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

यूपीआई सुविधा युक्त होगा सहकारी केन्द्रीय बैंक

दुर्ग। एनपीसीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के खातेधारको के लिए बैंक द्वारा यूपीआई की सुविधा प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है। बैंक के लगभग 5 लाख बचत खातेधारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। खातेदारों को ''मोबाईल बैंकिंग'' के साथ-साथ यूपीआई सुविधा मिलने से शाखा में आहरण के लिए लंबे इंतजार से बचत होगी। खातेधारक अब अपने जिला सहकारी बैंक के एकाउन्ट से सीधे ऑनलाईन राशि ट्रांसफर के साथ-साथ बिल भुगतान जैसे, बिजली बिल, मोबाईल रिजार्च, डिश टीवी रिचार्ज, क्यू.आर.कोड स्कैन आदि महत्वपूर्ण कार्य अपने मोबाईल से कर सकेंगे। यूपीआई की सुविधा प्रारंभ होने पर अध्यक्ष जवाहर वर्मा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपेक्षा व्यास ने दुर्ग बैंक के सभी खातेधारको एवं किसानों को बधाई दी है एवं एवं ग्राहकों को सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने आग्रह किया है।

पोषण बाड़ी अभियानः किसानों को अमरूद, सीताफल, पपीता आदि पौधों का किया जा रहा वितरण

कोरबा। शासन के महत्वकांक्षी योजना नरवा गरूवा घुरूवा बाडी के तहत् पोषण बाडी अभियान कार्यक्रम 15 जून 2022 से उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रारंभ किया गया है। जिले के ग्राम कुरूडीह, कटकीडबरी, पुटीपखना, गाडापाली एवं पोडी मे 400 किसानो को स्थानिय जनप्रतिनिधियो के समक्ष बाडी हेतु फल पौध का वितरण किया गया। इस दौरान किसानों को अमरूद, सीताफल, पपीता, कटहल, जामुन एवं सब्जी मे सेम, बरबट्टी, कुन्दरू, मुनगा आदि वितरण किया गया। इस वर्ष 4000 बाडियो मे सब्जी बीज एवं फल प्रदाय करने हेतु लक्ष्य है। सहायक संचालक उद्यानिकी ने बताया कि योजना अंतर्गत वर्ष भर मे खरीफ रबी, जायद हेतु एक हजार रूपये का आदान सामाग्री, सब्जी बीज एवं फल पौध प्रदान करने हेतु प्रावधानित है। किसान अपने नजदीकी नर्सरी मे संपर्क कर आदान सामाग्री प्राप्त कर सकते है। किसान शासकीय उद्यानिकी रोपणी पताढी, केन्द्र में संपर्क करके आदान सामग्री प्राप्त कर सकते है।

मानसून की अमृत बूंदों के स्वागत के लिए हमारे नरवा स्ट्रक्चर तैयार

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। मानसून की अमृत बूंदों के स्वागत के लिए हमारे नाले तैयार हैं। इस बार दक्षिण की ओर से आ रहे इन अतिथि बूंदों को हमारे नाले देर तक रोक कर रखेंगे और धरती का जलस्तर पांच से छह इंच बढ़ने की उम्मीद है।

लगभग पंद्रह हजार श्रमिकों ने सात महीने की कड़ी मेहनत से 196 नाले के 68 डीपीआर को पूरा करने की दिशा में कार्य किया है और अब काम समाप्ति की ओर है। अगले एक-दो दिन में सभी नालों में काम पूरा हो जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने बताया कि पहले चरण में नरवा के कार्यों से पांच इंच से छह इंच तक जलस्तर नाले के नजदीकी गांवों में बढ़ा था। इस बार साढ़े पांच हजार स्ट्रक्चर तैयार किये गये हैं और 200 स्ट्रक्चर का रिपेयर किया गया है। इनके माध्यम से जलसंरक्षण की बड़ी पहल की गई है। देवांगन ने बताया कि कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर इस चरण में नालों के भीतर स्ट्रक्कर बनाने पर कार्य किया गया है। पिछले चरण में कार्य नालों के किनारे पर तथा डिसेल्टिंग को लेकर किया गया था। इस चरण में यह कार्य नालों के बीच किया गया है।

जिले के प्रमुख नाले जैसे गजरा, खुड़मुड़ी, दैमार, लुश्रीमती आदि नालों पर भी कार्य किया गया है। इससे व्यापक रूप से जलसंरक्षण में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी बीते दिनों खुड़मुड़ी नाले में हो रहे नरवा कार्य देखे थे और अधिकारियों को कार्य जल्द पूरा करने निर्देश दिये थे। इस वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित है कि पानी का वेग कम होने से धरती का रिचार्ज तेजी से होता है क्योंकि धरती को जल सोखने के लिए अधिक समय मिलता है। अक्सर बरसाती नालों में जितने तेजी से पानी चढ़ता है उतने ही तेजी से उतर भी जाता है। इन स्ट्रक्चर के बन जाने से पानी का वेग बाधित होगा और सतत रूप से बाधित करने वाले स्ट्रक्चर बनने की वजह से हर जगह यह धीमे धीमे बहते भूमिगत जल को रिचार्ज करता जाएगा। खास बात यह है कि इसके लिए स्ट्रक्चर नाले के भीतर ही बनाये जाते हैं जिससे जलसंरक्षण के लिए अतिरिक्त भूमि में काम करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

जब नरवा ट्रीटमेंट होता है तो पहले साल में कुछ बेहतर नतीजे आते हैं और अगले साल और भी बेहतर नतीजा आता है। इस तरह क्रमशः भूमिगत जल का रिचार्ज बढ़ जाता है। अतएव इस साल और भी जल रिचार्ज होने की उम्मीद है। ऐसी आशा है कि मानसून अच्छा रहा तो जलस्तर में पांच इंच की वृद्धि होगी जिससे रबी फसल के लिए भी भरपूर पानी किसानों को मिल सकेगा।

परिपथ के सौंदर्य देख कर देश दुनिया के लोग श्री राम के चरणों मे शीश नवायेंगे- मंत्री भगत

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने जमाया रंग, सरगुजिहा व छत्तीगढ़ी गीत, संगीत ने दर्शकों का मोह मन

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। आषाढ़स्य प्रथम दिवसे के अवसर पर आयोजित रामगढ़ महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को छत्तीसगढ़ शासन के पुरातत्व एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्व प्रथम अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालयीन एवं आमंत्रित कलाकारों के द्वारा सरगुजिहा और छत्तीसगढ़ी गीत, संगीत एवं नृत्य की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक व आधुनिक गीत-संगीत से रामगढ़ झंकृत हो उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री भगत ने कहा कि रामगढ़ भगवान श्री राम के वनवास काल का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है। रामगढ़ की भूमि भगवान श्री राम के चरण धूलि से पवित्र है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राम वन गमन परिपथ के माध्यम से वनवास काल में प्रभु श्री राम जिन स्थलों से होकर गुजरे थे उन स्थलों को संरक्षित व विकसित करने का काम कर रही है। इस परिपथ के माध्यम से पूरे प्रदेश के ऐतिहासिक और धर्मिक स्थलों का ऐसा सौंदर्यीकरण किया जा रहा है जिसे देख कर देश दुनिया के लोग श्री राम के चरणों मे शीश झुकायेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से रामगढ़ महोत्सव का दोनों दिनों का आयोजन रामगढ़ में ही हो रहा है यह अच्छा निर्णय है। रामगढ़ की भव्यता दिनों दिन बढ़ती जाएगी।

छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री गुरप्रीत सिंह बाबरा ने कहा कि रामगढ़ भगवान श्री राम के चरण कमल से पावन धरा है। इसको सहेजने और विकसित करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। कार्यक्रम को बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्री राजनाथ सिंह ने भी संबोधित किया । कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि रामगढ़ महोत्सव को इस बार बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है।

शोध संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ निलिम्प त्रिपाठी ने कहा कि सरगुज़ा अंचल में फैले ऐतिहासिक एवं पुरातत्विक स्थलों के संबंध में प्रामाणिक जानकारी के लिए डाटाबेस तैयार करना चाहिए। इसके साथ ही यहां कालिदास शोध अकादमी की स्थापना भी होनी चाहिए जिससे कि इस क्षेत्र के शोधार्थियों को नई पहचान मिले।

बड़ी संख्या में जुटे दर्शक- महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। पूरा दर्शक दीर्घा खचाखच भरा हुआ था। पारंपरिक नर्तक दल करमा, शैला ने भी ग्रामीणों को खूब भाया। शाम ढलते ही हुई झमाझम बारिश- कार्यक्रम के सुरुआत में तेज धूप थी लेकिन शाम ढलते ही अचानक मौसम बदला और झमा-झम बारिश की बौछार ने आषाढ़ के प्रथम दिवस का स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा रवि, जनपद अध्यक्ष श्रीमती भोजवंती सिंह, उपाध्यक्ष नीरज मिश्रा, पार्षद आलोक दुबे, दीपक मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार लंगेह, डीएफओ पंकज कमल, श्यामलाल जायसवाल, लक्ष्मी गुप्ता, इरफान सिद्दीकी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया स्कूल खुलने की तैयारी का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा आज स्कूल खुलने की तैयारी का जायजा लेने डोंगरगांव और छुरिया विकासखंड के स्कूलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने आज स्कूल खुलने और आगामी शिक्षा सत्र के प्रारंभ होने की तैयारी का जायजा लेने विभिन्न शालाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने जिले में स्थापित मॉडल प्राथमिक शाला केन्द्रों का निरीक्षण किया। डोंगरगांव विकासखंड के माथलडबरी व छुरिया विकासखंड के कुमरदा में नवा पहल योजना अंतर्गत सीएसआर मद से मॉडल प्राथमिक शाला निर्मित किया गया है। मॉडल प्राथमिक शाला में बच्चों को एलसीडी प्रोजेक्टर के माध्यम से उत्कृष्ट शिक्षा देने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। बच्चों के लिए आकर्षक स्कूल भवन और फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों का भविष्य संवारने और उज्जवल भविष्य बनाने में शिक्षक की सार्थक भूमिका होती है। कलेक्टर ने शिक्षकों को जवाबदारी पूर्वक शिक्षा अध्ययन के साथ साथ बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए पहल करें। कलेक्टर ने आज स्कूल आए बच्चों को चॉकलेट एवं मीठाई खिलाकर उनका अभिवादन किया।

कलेक्टर ने मॉडल स्कूल प्राथमिक शाला कुमरदा के निरीक्षण के दौरान स्कूल में की गई व्यवस्था को देखकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए अपनी जेब से अपना पेन निकालकर यहां के प्रधान पाठक को सप्रेम भेंट किया। कलेक्टर ने कहा कि मंशा अनुरूप स्कूल में जरूरी सुविधा की व्यवस्था की गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की आवश्यक पहल और दूरगामी सोच के चलते जिले में नवा पहल चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सीएसआर मद से जिले में 30 प्राथमिक शाला को मॉडल प्राथमिक शाला के रूप में उन्नयन किया गया है। इन शालाओं में सर्व सुविधा युक्त फर्नीचर लाइब्रेरी संसाधन युक्त स्कूल भवन फर्नीचर की व्यवस्था की गई।

कलेक्टर ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव का अवलोकन किया। उन्होंने यहां अध्ययन कक्ष प्रयोग कक्ष लाइब्रेरी सहित मध्यान्ह भोजन कक्ष का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने यहां वर्तमान में चल रहे सीसी रोड निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सीसी रोड निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ बारिश के पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लेने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जिले में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर ने मैदानी क्षेत्र का भ्रमण कर वृक्षारोपण के लिए जमीन चिन्हांकन करने पहुंचे। डोंगरगांव के ग्राम पंचायत खुर्सीपार में 10 एकड़ में वृक्षारोपण लिए तैयारी की जा रही है। इसके लिए जमीन चिन्हांकन करने यहां पहुंचे। कलेक्टर ने ग्रामवासियों से कहा कि पेड़ लगा कर आने वाले भविष्य को सुरक्षित और संरक्षित करना है। कलेक्टर ने ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा कि पेड़ के अनगिनत फायदे हैं।

मानसून के पहले सारी तैयारियां करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त मयंक चतुर्वेदी ने नगर निगम मुख्यालय में मानसून की बारिश के पूर्व की तैयारियों को लेकर अपर आयुक्त अभिषेक अग्रवाल, सुनील चंद्रवंशी, उपायुक्त ए.के. हालदार, मुख्य अभियंता आर.के. चौबे, नगर निवेषक बीआर अग्रवाल सहित जोन कमिश्नरों, अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक लेकर कार्य समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

आयुक्त ने नगर निवेशक सहित सभी जोन के नगर निवेश उपअभियंताओं को मानसून की बारिश प्रारंभ होने के पूर्व सभी जोनो में अभियान पूर्वक निजी भवनों में जाकर रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच करने सहित जहां सिस्टम नहीं लगा है वहां लोगो को जागरूक करके सिस्टम शीघ्र लगाने प्रेरित करने कहा। आयुक्त ने शासकीय भवनों में लगाये गये रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की अभियान पूर्वक जांच करवाने निर्देषित किया है कि वे सिस्टम सही तरीके से कार्य कर रहे है अथवा नहीं। अन्यथा की स्थिति में उन्हें सुधरवाने का कार्य करवाने संबंधित अधिकारियों को जानकारी में लाना सुनिष्चित करने कहा गया है। आयुक्त ने जोन कमिश्नरों एवं जलविभाग के उपअभियंताओं को निर्देशित किया है कि सभी जोन में स्थापित सभी हैण्ड पंप, पावर पंपों का डिसइंफेक्शन कार्य सोडियम हाइपोक्लोराइट या ब्लीचिंग पावडर का उपयोग कर प्रथम चरण 25 जून द्वितीय चरण 10 जुलाई एवं तृतीय चरण 30 जुलाई तक कुल तीन चरणों में किया जाये जोन में स्थापित हैण्ड पंप, पावर पम्पों के जल नमूने का भी गुणवत्ता परीक्षण नियमित रूप से कराया जाना सुनिश्चित किया जायें।

आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी एवं सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को बारिश के पूर्व सभी नालों एवं नालियों की शत प्रतिशत रूप से सघन सफाई पूर्व निष्चित करने निर्देशित किया है ताकि जहां तक संभव हो बारिष में जलभराव की स्थिति निर्मित न होने पाये। आयुक्त ने जल भराव होने की स्थिति में आवश्यक होने पर वैसी स्थिति निर्मित होने पर प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजने समीपस्थ स्कूल भवन अथवा सामुदायिक भवन अथवा धर्मशालाओं को चिन्हित करने एवं आवश्यकता पडने एवं जलभराव होने पर प्रभावितों के लिए भोजन का प्रबंध उक्त अवधि में करवाने की व्यवस्था पूर्व निश्चित करना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर खोदे गये गड्ढे एवं उन्हें समय पर नहीं पाटे जाने के कारण संभावित दुर्घटना की आषंका होने के चलते 3 दिनों के भीतर सभी क्षेत्रों की सघन जांच करके गड्ढो को भरवाने के साथ मार्गो की आवश्यक मरम्मत व संधारण कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिये है।

विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विश्व रक्तदाता दिवस व कबीर जयंती पर सत्यम ब्लड ग्रुप एवं शासकीय बाबासाहेब अंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर में रक्तदान किया गया।

सत्यम ब्लड ग्रुप के संयोजक चित्रांगन साहू (ग्राम जोशीलमती) ने बताया कि रक्तदान प्रफुल भंडारी ,राजेश पोर्ते ,योगेश पडोती, सुरेन्द्र कुमार देवकुमार माली, हिरमेद कुमार निशांत पटेल, गुमान ठाकुर ,सोमन साहू ,डामेन्द कुमार, उमेश कुमार मतवाला, नरेश कुमार साहू ,शासकीय बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव के प्रो. सु रेणुका ठाकुर के मार्गदर्शन मे निखलेश उमरे ,भावेश साहू, क्रान्ति निषाद, दुष्यंत साहू एवं अन्य ने रक्तदान किया। सत्यम ब्लड ग्रुप संयोजक चित्रांगन साहू ने विश्व रक्तदान के मौके पर युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ब्लड यानी खून एक ऐसी चीज है जिसे बनाया ही नहीं जा सकता इसकी आपूर्ति का कोई और विकल्प भी नहीं है यह इंसान के शरीर में स्वयं ही बनता है।

कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक करके अनगिनत जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर के माध्यम से रक्तदान किया जाता है।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग
विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टीफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing, Printer, Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

पत्नी को जिंदा जलाने वाले पति को उम्रकैद, अर्थदंड भी

बालोद (ए)। जिला न्यायालय के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सरोज नंद दास ने मिट्टी तेल डालकर पत्नी लक्ष्मीबाई को जिंदा जलाने वाले आरोपी पति भेमेश्वर उर्फ रवि बिझेकर(30 वर्ष) निवासी बरही को धारा 302 के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा एक हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया है। प्रकरण के अतिरिक्त लोक अभियोजक चित्रांगद देशमुख के अनुसार आरोपी शराब पीकर अक्सर अपनी पत्नी से वाद-विवाद करता था। 24 सितंबर 2019 की रात 11-12 बजे के बीच पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट किया और इसके साथ ही आरोपी ने अपनी पत्नी के शरीर में मिट्टी तेल डालकर माचिस जलाकर हत्या करने की नीयत से आग लगा दिया। जिससे लक्ष्मी बाई बिझेकर झुलस गई। लक्ष्मी को उपचार के लिये जिला अस्पताल बालोद लाया गया। यहां से रेफर करने पर डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती किया गया। जहां मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन की ओर से गोलबाजार थाना रायपुर के पुलिसकर्मियों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मामला कर जांच शुरू की। जांच पूरी होने के बाद कोर्ट में फैसला सुनाया गया।

कोर्ट का फैसला: नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 साल की सजा

दुर्ग। नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले अरुण देशमुख को कोर्ट ने 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी पर 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। यह फैसला न्यायाधीश संगीता नवीन तिवारी की कोर्ट से आया। लोक अभियोजक संतोष कसार के मुताबिक मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। 13 वर्षीय नाबालिग के परिजन की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 363 के तहत केस दर्ज किया था। परिजन ने पुलिस को बताया था कि 4 दिसंबर 2020 को नाबालिग घर से बिना बताए चली गई है। पुलिस ने 5 दिसंबर को केस दर्ज करने के बाद नाबालिग और आरोपी की तलाश शुरू की। 10 दिसंबर को पुलिस ने आरोपी और नाबालिग को बेमेतरा जिले से बरामद किया। इसके बाद नाबालिग से पूछताछ के आरोपी आरोपी के खिलाफ धारा 366, 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

मोड़ पर पहाड़ के किनारे सुरक्षा दीवार से टकराई बस, 22 यात्री घायल

कुकदूर। बुधवार को दोपहर तीन बजे एक यात्री बस हादसे की शिकार हो गई। यह हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के आगरपानी मोड़ के पास हुआ है। कुकदूर थाना प्रभारी ने बताया कि यह हादसा लखनऊ से आ रही पक्षीराज बस क्रमांक एमपी 18, पी 0383 के साथ हुआ है। मौके को देखने से पता चल रहा है कि इस बस के वाहन चालक के लापरवाही के कारण बस सीधे पहाड़ के किनारे बनी सुरक्षा दीवार (साइड वाल) से जा टकराई। बस में बैठे करीब 22 यात्री घायल हुए है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए कुकदूर के सरकारी अस्पताल लाया गया। वहीं दो गंभीर घायल को कवर्धा रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर जांच शुरू कर दिए है।

जुआ, सट्टा और शराब की अवैध बिक्री रोकें एसपी: डीजीपी अशोक जुनेजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस प्रमुख अशोक जुनेजा ने बुधवार को प्रदेशभर के पुलिस अधीक्षकों की घंटों बैठक ली। आज की इस बैठक में उन्होंने पुलिस अधिकारियों से दो टूक कह दिया कि प्रदेश में जुआ, सट्टा और अवैध तरीके से बिक रही शराब पर अंकुश लगाएं। साथ ही चिटफंड कंपनियों के फरार संचालकों की गिरफ्तारी को लेकर भी गंभीरता बरतें।

वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में सभी रेंज पुलिस महानिरीक्षक और प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिले की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। पुलिस महानिदेशक जुनेजा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप और शासन की प्राथमिकता सूची में सम्मिलित चिटफंड कंपनियों के संचालकों के विरूद्ध की गई कार्रवाई को प्राथमिकता से लें। उन्होंने चिटफंड कंपनियों के संचालकों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई और निवेशकों की धन राशि वापसी के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान प्रकरणों में तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

डीजीपी जुनेजा ने नशीले पदार्थो के कारोबार, चोरी, लूटपाट और चाकूबाजी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इन अपराधों में संलग्न अपराधियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने अपराधियों पर कड़ाई की जाए। इसके साथ ही नए बदमाशों को पहले ही स्टेप पर रोकने का काम किया जाए। यदि अपराधी को फलने का अवसर नहीं मिलेगा तो वो स्वत: ही अपराध से दूर हो जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चोरी की घटनाओं पर गंभीरता दिखाई जाए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा, हिमांशु गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक इंटेलिजेंस आनंद छाबड़ा सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बता दें पुलिस प्रमुख बनने के बाद से जुनेजा ने कम्युनिटिंग पुलिसिंग पर जोर दिया है। आज की बैठक में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि हम लोगों से जुड़कर रहते हैं तो बहुत सारे अपराधों को रोक सकते हैं। उन्होंने आम लोगों के साथ संवेदनशीलता वाला व्यवहार करने के निर्देश दिए।

पैसे उड़ाए और खा-पीकर खर्च कर दिया: पिकअप में रखा रुपयों से भरा उठा ले गया था नाबालिग, गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ जिले में एक नाबालिग लड़के ने मौका मिलते ही पैसों से भरा बैग पार कर दिया। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। अब उसने बताया है कि चुराए हुए कुछ पैसों को उसने खा-पीकर खर्च भी कर दिया। वहीं उन्हीं पैसों से उसने एक मोबाइल भी खरीद लिया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है।

बताया गया है कि 08 जून को खरसिया के तुर्रीभाठा बाईपास रोड पर एक पिकअप को ड्राइवर ने खड़ा कर दिया और किसी काम से पास की दुकान में गया था। ड्राइवर मनोज क्षत्री ने बताया कि दुकान से वापस लौटा तो पिकअप में रखा पैसों से भरा बैग नहीं था। उसने काफी तलाश किया। मगर कुछ पता नहीं चला। घटना के 6 दिन बाद उसने पूरे मामले की शिकायत मंगलवार को पुलिस से की थी।

कुछ दिनों से खूब खर्च कर रहा था आरोपी

शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि खरसिया इलाके में अटल आवास में रहना वाला एक नाबालिग इन दिनों काफी पैसे खर्च कर रहा है। जबकि वह कोई कम भी नहीं करता है। इसी आधार पर पुलिस ने उसे नाबालिग को हिरासत में लिया था। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उस नाबालिग ने स्वीकार कर लिया कि उसने पिकअप वाहन से पैसों से भरा बैग चुराया था।

कंबल और कपड़े भी चुराए थे

आरोपी ने बताया कि बैग के अंदर कुल 78 हजार रुपए थे। इसके अलावा उसने एक कंबल और कपड़े भी चुरा लिया था। आरोपी ने कहा कि चोरी किए गए पैसों में 10 हजार रुपए उसने खा-पीकर खर्च कर दिए हैं। बाकी के पैसों से उसने एक मोबाइल खरीदा है। अब उसके पास केवल 59 हजार रुपए बचे हैं। इसके बाद पुलिस ने आरोपी से बचे हुए 59 हजार रुपए जब्त कर लिए हैं और उसे किशोर न्याय के बोर्ड पेश किया गया है।

बहू से की मारपीट, पति सास-ससुर व देवर को भेजा जेल

पंडरिया (ए)। पंडरिया पुलिस ने दहेज के एक मामले में ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे ने बताया कि यह मामला ग्राम डोमनपुर का है। 20 मई की सुबह 8 बजे बहू अपने खेत की साफ-सफाई करने पति भोलाराम, ससुर संतोष, सास गंगोत्री चंद्राकर व देवर डिम्पल चंद्राकर के साथ गई थी। इसी दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने बहू के साथ दहेज में सोना-चांदी, वाशिंग मशीन व मोटर साइकिल नहीं लाने की बात को लेकर मारपीट शुरू कर दी। पति भोला राम चंद्राकर समेत सास, ससुर, देवर ने पीड़िता के साथ मारपीट की। मारपीट के कारण बहू मौके पर बेहोश हो गई। पुलिस ने धारा 498ए, 294, 323, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

30 लाख कीमत के 114 मोबाइल ट्रैक कर जब्त किया, पीड़ितों को लौटाया

भिलाई। पुलिस कंट्रोल रुम में बुधवार को पुलिस ने 30 लाख कीमत के 114 मोबाइल पीड़ितों को सौंपा है। इन सभी मोबाइल के गुमने की शिकायत अलग अलग थानों में दर्ज की गई थी। पुलिस ने गुमे हुए मोबाइल के आईए ईआई नंबरों से ट्रैक किया है। इसके बाद गुमे हुए मोबाइल जब्त करके पीड़ितों को लौटाया गया है। पीड़ितों ने बताया कि किसी का मोबाइल 10 महीने पहले सब्जी मार्केट में खो गया था तो किसी का मोबाइल जेब से उछ कर रास्ते में गिर गया था। कुछ पीड़ित ऐसे थे जिनका मोबाइल महज चार महीने पहले गुमा था। पुलिस ने मोबा इलों को ट्विन सिटी, राजना दगांव समेत सरहदी जिलों से बरामद किया है। पुलिस के मुत बिक 15 मोबाइल ऐसे में बरामद किए गए हैं, जिनमें पैटर्न लॉक हैं।

बदमाश मोबाइल को चालू करने के बजाए उसके पार्ट बेच रहे

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव के मुताबिक एसीसी यूनिट ने 114 मोबाइल बरामद किए। इन मोबाइलों के आईएमईआई नंबर के जरिए पीड़ितों से संपर्क किया, फिर उन्हें लौटाया है। इसके अलावा भी बड़ी संख्या में मोबाइल ट्रैकिंग पर लगे हुए हैं। जैसे ही गुमे हुए मोबाइल चालू होंगे, उसे ट्रैक कर लिया जाएगा। इसके बाद पीड़ितों को लौटाया जाएगा। इन दिनों गुमे हुए या चोरी गए मोबाइल बदमाश बजाए चालू करने के इसके पार्ट्स खोलकर मार्केट में बेच रहे हैं। ऐसे में मोबाइल को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

कवर्धा में युवक की हत्या

खेत में मिला सड़ा-गला अर्द्धनग्न शव 4 से 5 दिन पुराना होने की आशंका

कवर्धा (ए)। कवर्धा में बुधवार को एक युवक का सड़ी-गली हालत में शव बरामद हुआ है। शव खेत में पड़ा हुआ था। जब सुबह ग्रामीण खेत में काम करने के लिए पहुंचा तो उसे शव दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस को युवक के हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका है। मामला कुंडा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पंडरिया ब्लॉक के एक खेत में बुधवार सुबह करीब 8 बजे पुलिस को शव पड़े होने की सूचना मिली थी। शव अर्द्धनग्न हालत में था और काफी सड़ चुका था। युवक के शरीर पर सिर्फ पैंट थी। उसके पास से ऐसा कुछ नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान हो सके। शव की स्थिति काफी खराब थी और उसमें से बदबू आ रही थी। शव के 4 से 5 दिन पुराना होने की आशंका है।

मानसिक रूप से विछिप्त होने की आशंका पुलिस को आशंका है कि, जो शव मिला है वह मानसिक रूप से विछिप्त व्यक्ति का है। बताया जा रहा है कि उसे कुछ दिन पहले कुंडा बस स्टैंड पर देखा गया था। शव पर चोट के निशान नहीं है, लेकिन फिर भी हत्या के एंगल को लेकर जांच पुलिस कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

उधार में दिए रुपये मांगने पर पिता पुत्र ने व्यवसायी की कर दी पिटाई

बिलासपुर (ए)। उधारी में दिए पांच लाख रुपये वापस करने के बाद भी पिता-पुत्र व्यवसायी के पास वसूली के लिए पहुंच गए। रुपये देने से मना करने पर उन्होंने व्यवसायी की पिटाई की। इस दौरान बीच-बचाव करने पर उन्होंने व्यवसायी की पत्नी से भी मारपीट की। पीड़ित ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के मेडिकल कांप्लेक्स के पास रहने वाली कल्पना कश्यप ने मारपीट की शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि चार जून की रात वे अपने घर में पति और बच्चों के साथ थीं। इसी दौरान उनके पति संदीप के मोबाइल पर विमल कश्यप का फोन आया। उसने संदीप को घर से बाहर बुलाकर उधारी में दिए रुपये वापस मांगे। रुपये नहीं देने पर उनकी जमीन मांगी।

संदीप ने उधारी में रुपये वापस लौटा देने की बात कहते हुए और र्स्पये देने से इंकार कर दिया। इस पर विमल ने संदीप की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान विमल का बेटा आर्यन भी वहां मौजूद था। मारपीट के दौरान कल्पना बीच-बचाव के लिए पहुंची। आर्यन ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव किया। इसके बाद घायल ने घटना की शिकायत कोतवाली थाने में की है। मामले की शिकायत पर जांच के बाद पुलिस ने आरोपित पिता-पुत्र के खिलाफ जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीमा पॉलिसी का पैसा वापस दिलाने के नाम पर बुजुर्ग से ठगे 17.66 लाख

भिलाई। नेवई थाना अंतर्गत शक्ति विहार कॉलोनी निवासी बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी चंद्रभान वर्मा ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए। बीमा पॉलिसी का पैसा वापस दिलाने के नाम पर उनसे अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद पैसा आतंकवादी और आंदोलनकारी गतिविधियों में उपयोग होने की धमकी देकर रुपए ऐंठे गए। आरोपियों ने 5 अलग-अलग खाता धारकों के खाते में 17.66 लाख रुपए ट्रांसफर कराए। जांच के बाद पुलिस ने मोबाइल नंबर धारकों के खिलाफ धारा 420 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 61 वर्षीय चंद्रभान को 10 मई 2020 को पहली बार फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को वित्त मंत्रालय का अधिकारी बताकर बात की। आरोपी ने उसे उसकी वर्ष 2013 में खरीदी गई एचडीएफसी और बिरला सन लाइन की पॉलिसी की मैच्योरिटी अमाउंट दिलाने का झांसा दिया। इसके लिए आरोपी ने प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अनिकेत वर्मा, मनोज वर्मा और हरिनारायण के खाते में करीब 14 लाख रुपए जमा करवा लिए। आरोपी ने वर्ष 2020 से 2021 के बीच में अलग-अलग तारीख पर पैसा ट्रांसफर करवाया। खुद को अफसर बता भी ठगी की।

कीमती लकड़ियां चोरी का मामला

मैदानी क्षेत्र के जंगल हो रहे साफ कीमती लकड़ियों की तस्करी भी

गंडई पंडरिया (ए)। ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ों की सुरक्षा अधर में है। सुरक्षा कम होने से कई लोग जंगल क्षेत्र के अंदर पेड़ काटकर कई कीमती लकड़ियां चोरी कर रहे हैं। ऐसे में जंगल पर खतरा मंडराने लगा है। वहीं वन विभाग पेड़-पौधों की सुरक्षा को लेकर बेपरवाह हो गई है। वन विभाग व राजस्व का सुस्त रवैया देखने को मिल रहा है, इसका फायदा तस्कर व लकड़ी चोर जमकर उठा रहे हैं।

इन दिनों क्षेत्र के जंगलों के बीच जाकर लोग पेड़ काटकर लकड़ी की चोरी कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने वाले दफ्तर पर बैठे हैं, इससे जंगल से लगातार लकड़ी की चोरी हो रही है। वहीं वन्य प्राणियों पर भी खतरा मंडरा रहा है। इस क्षेत्र में वन्य प्राणियों के शिकार करने की घटनाएं भी सामने आती रही है। अंचल के वन परिक्षेत्रों में हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है। कीमती छोटे पेड़ों की भी कटाई की जा रही है। ग्रामीण समेत वनांचल व अन्य क्षेत्र में भी लकड़ी की जमकर चोरी व अवैध कटाई हो रही है।

लकड़ी बिक रही ठेके पर,ठेकेदार भी हैं सक्रिय

गंडई क्षेत्र में अभी मैदानी इलाकों से ज्यादातर हरे-भरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। इसके लिए काशीटोला, संबलपुर, बीरनपुर आदि के ठेकेदार सक्रिय हैं। इनके द्वारा हरे-भरे पेड़ों का दोहन करके अधिक दामों पर टिंबर व ईट-भट्ठे में खपा रहे हैं। क्षेत्र में कई अवैध रूप से संचालित ईटा भट्टी में वनांचल के जंगलों व मैदानी क्षेत्र से काटी गई हरी-भरी लकड़ियों को खपाया जा रहा है। लकड़ियों का परिवहन भी किया जा रहा है। ठेकेदार पर विभाग मेहरबान है।

जंगल के अधिकतर लकड़ी खपा रहे टिंबर में

जंगली व मैदानी इलाकों के हरे-भरे पेड़ों को माफिया टिंबर में खपा रहे हैं। क्षेत्र के किसानों से जानकारी मिली कि हमसे काम दामों में लेकर टिंबर में ले जाकर अधिक पैसे में बेच रहे हैं। बताया जाता है कि अधिकतर लकड़ी माफिया कुम्हारी क्षेत्र के हैं। यह कारोबार लंबे समय से चल रहा है और इस पर आज तक एक भी कार्यवाही नहीं हुई है। लकड़ी तस्कर कार्यवाही के डर से रात में लकड़ी परिवहन करना ज्यादा सुरक्षित मानते हैं इससे कार्यवाही का डर नहीं रहता।

लकड़ी के सहारे ईंटों को पकाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रतिदिन उस क्षेत्र में दर्जनों गाड़ियां अवैध उत्खन्न के कार्य में लगी है, जिससे शासन को लाखों रुपए के राजस्व की हानि हो रही है। विभागीय कार्रवाई नहीं होने से अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। ग्राम पैलीमेटा के अलावा गंडई के ग्राम काशीटोला, संबलपुर, चिलगुडा, पेंडरवानी, अचानकपुर, संडी, पंडरिया जैसे गांव में अवैध उत्खनन व परिवहन किया जा रहा है।

प्रूफके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी: तहसीलदार

गंडई तहसीलदार टीआर वर्मा ने कहा कि ईंट भट्ठे में कार्यवाही के लिए नायब तहसीलदार को नियुक्त किया गया है। वहीं लकड़ी के अवैध परिवहन या कटाई के संबंध में शासकीय भूमि के पेड़ काटे जा रहे हैं तो तुरंत कार्यवाही की जाती है और लगानी जमीन पर स्वयं उपयोग के लिए काटा जा सकता है केवल बंभूर की लकड़ियों के लिए छूट है। अगर लकड़ी बेचा जाता है तो प्रूफ के हिसाब से कार्यवाही की जाएगी।

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles | JOHNSON Not just tiles, Lifestyles. | orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey | AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़

कहीं कोई छूट ना पाए हर बच्चा स्कूल जाए

बस्तर में नक्सल हिंसा से बंद पड़े स्कूल फिर खुले

16 जून, सुबह 11 बजे

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा

शाला प्रवेश उत्सव

शुभारंभ

नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले में

डेढ़ दशक से बंद पड़े स्कूल फिर खुले

260 स्कूलों में शिक्षा प्रारंभ

11,013 बच्चों ने लिया प्रवेश

RO-32866/60

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950